www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 आवश्यक रक्षा कवच है सुदर्शन चक्र, वैश्विक सुरक्षा-सामरिक परिदृश्य बहुत तेजी से बदला

कोलंबिया में एयरबेस के पास ट्रक में ब्लास्ट 06

वर्ष :17 | अंक :143 | प्रयागराज , शनिवार 23 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

मैनपुरी में डिवाइडर से कार टकराने से कानपुर के व्यापारी समेत दो की मौत, दो अन्य घायल

मैनपुरी जिले के करहल थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर एक कार के डिवाइडर से टकराने से उसमें सवार कानपुर के एक व्यापारी समेत दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राहुल मिठास ने बताया कि कानपुर के व्यापारी सागर कपूर (35) दिल्ली स्थित बुडको पेंट कंपनी के प्रबंधक जितेंद्र आहूजा (45), पेंट कंपनी के कानपुर क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश ओझा और रेलवे कर्मचारी दुर्गा प्रसाद के साथ बृहस्पतिवार को कानपुर से दिल्ली जा रहे थे। उन्होंने बताया कि कार सागर कपूर चला रहे थे। जब उनकी कार करहल थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 90 के पास पहुंची, तभी कार का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर से टकरा गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

भारी बारिश से चार जिलों के कई इलाके जलमग्न

राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून की सक्रियता के कारण सवाई माधोपुर, टोंक, कोटा और भीलवाड़ा जिलों में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग ने चार दक्षिणी जिलों में शुक्रवार को भी भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान सवाई माधोपुर तहसील में सबसे अधिक 254 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, सवाई माधोपुर में लगातार बारिश के कारण पल्ली पार इलाके में कई घर जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह भारी बारिश के कारण एक पुलिया ढह जाने से राष्ट्रीय राजमार्ग-552 पर यातायात पूर्ण रूप से बाधित हो गया। उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा के बिजोलिया में पिछले 24 घंटे में 170 मिलीमीटर बारिश के कारण पंचनपुरा बांध पर जलस्तर चेतावनी के निशान से ऊपर पहुंच गया और स्थानीय नदी भी उफान पर है। विभाग के अनुसार, पाटन (बूंदी) में 21 सेमी, बिजोलिया (भीलवाड़ा) में 17 सेमी, डीगोद (कोटा) में 15 सेमी, चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर) में 15 सेमी, लाडपुरा (कोटा) में 14 सेमी, मलारना डूंगर (सवाई माधोपुर) में 13 सेमी, भूंगड़ा (बांसवाड़ा) में 12, किशनगंज (बारां) में 11 सेमी बारिश हुई।

घुसपैठियों को देश से निकालकर रहेंगे :गयाजी में मोदी

बेगूसराय में 6 लेन ब्रिज का उद्घाटन कर गमछा लहराया, सीएम नीतीश भी साथ

उद्घाटन

पुल के नीचे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हो रहा था जिसमें दिवंगत लोकगायिका शारदा सिन्हा के गीत बज रहे थे। इसी दौरान पीएम मोदी का बिहारी अंदाज भी देखने को मिला। पुल पर से लोगों का अभिवादन करते हुए उन्होंने अपने कंधे पर रखे गमछा को हाथ में लेकर लहराया।

एजेंसी

बीजेपी सरकार आएगी तभी बंगाल में होगा विकास

कोलकाता में बोले मोदी, केंद्र का पैसा जनता तक नहीं, टीएमसी के पास जा रहा

पीएम नरेंद्र मोदी ने कोलकाता में विभिन्न मेट्रो रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने जेसोर रोड मेट्रो स्टेशन से नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेवा और सियालदह-एस्प्लेनेड मेट्रो सेवा और बेलेघाटा-हेमंत मुखोपाध्याय मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही मोदी ने मेट्रो की सवारी की और मेट्रो परियोजनाओं में शामिल स्कूली छात्रों और निर्माण श्रमिकों से बातचीत की। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज एक बार फिर मुझे पश्चिम बंगाल में विकास को गति देने का अवसर मिला... सभी खुश हैं कि कोलकाता के सार्वजनिक परिवहन में प्रगति हुई है... मैं इन विकास परियोजनाओं के लिए कोलकाता के लोगों को बधाई देता हूं। वहीं, कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं ऐसे समय में आया हूँ जब दुर्गा पूजा की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं। बड़ा बाजार से लेकर पार्क स्ट्रीट तक, कोलकाता इस उत्सव की तैयारी और सजावट में व्यस्त है। खुशी और आस्था के इस उत्सव में जब विकास का उत्सव भी जुड़ जाता है।

गयाजी से 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरूआत की

पीएम ने बेगूसराय में गंगा नदी पर बने 6 लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का उद्घाटन किया। नीतीश कुमार के साथ प्रधानमंत्री पुल पर घूमे। उन्होंने अपने गले से गमछा निकाला और हाथ से घुमाकर लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। ब्रिज के नीचे बने घाट पर प्रधानमंत्री के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहे। पीएम को देखने के लिए लोगों की भीड़ भी घाटों पर नजर आई। प्रधानमंत्री करीब 37 मिनट तक ब्रिज पर रुके।

इससे पहले गयाजी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरूआत की। मगध यूनिवर्सिटी के कैंपस में अपने 34 मिनट के भाषण में उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधा। सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। आतंकवाद और घुसपैठ पर भी बात की। पीएम ने कहा- 'हम घुसपैठियों को देश से निकालकर रहेंगे। इन्हें आपके हक पर डाका नहीं डालने देंगे। कांग्रेस-आरजेडी घुसपैठियों के साथ खड़े हैं।''पहले जेल में बैठकर लोग फाइलों पर साइन करते थे। हम ऐसा बिल लेकर आए हैं, जिसके दायरे में पीएम भी है। गिरफ्तारी होते ही पद जाएगा।

अब जेल जाने वाला कुर्सी पर नहीं बैठ सकता

पीएम मोदी का बिहार से सख्त संदेश

गया : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक दिवसीय दौरे पर बिहार आए हैं. इस दौरान उन्होंने गया से हुंकार भरी. विपक्षी को निशाने पर लिया. साथ ही कह दिया कि कोई जेल में रहता है तो सरकार कैसे चला सकता है, इसीलिए सरकार द्वारा कानून लाया गया है. नए कानून पर विपक्ष को घेरा : पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, आप सोचिए, आज कानून है कि अगर किसी छोटे सरकारी कर्मचारी को 50 घंटे तक हिरासत में रखा जाए तो वह अपने-आप निलंबित हो जाता है. लेकिन अगर कोई मुख्यमंत्री है, मंत्री है या प्रधानमंत्री है, तो वह जेल में रहकर भी सत्ता का सुख पा सकता है.

गगनयान मिशन की टीम ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष का अनुभव किया साझा

ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर और ग्रुप कैप्टन पुण्यश्लोक बिस्वाल के साथ-साथ इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन और मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र के निदेशक दिनेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

एजेंसी

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति मुर्मू ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से लौटने वाले पहले भारतीय बनने पर शुभांशु शुक्ला को अपनी शुभकामनाएँ दीं। ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर और ग्रुप कैप्टन पुण्यश्लोक बिस्वाल के साथ-साथ इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन और मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र के निदेशक दिनेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने पूरी टीम को भविष्य के प्रयासों, विशेषकर गगनयान मिशन के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में अपने अनुभव साझा किए। इससे पहले, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इस अनुभव और मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की महत्वाकांक्षाओं के लिए इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की, और अंतरिक्ष में रहने से प्राप्त अमूल्य ज्ञान पर जोर दिया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, उन्होंने कक्षा से पृथ्वी को देखने से प्राप्त गौरव और गहन दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत आज भी अंतरिक्ष से सारे जहाँ से अच्छा दिखता है। इससे पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बृहस्पतिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने अपनी अंतरिक्ष यात्रा, कक्षा में किये गये महत्वपूर्ण प्रयोगों और भारत के अग्रणी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान पर चर्चा की।

ऑनलाइन गेमिंग बिल को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी, बना कानून, जेल और एक करोड़ जुर्माने का है प्रावधान

उच्च सदन ने ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 को 26 मिनट में पारित कर दिया। इससे एक दिन पहले लोकसभा ने प्रक्रियागत चिंताओं को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच इसे सात मिनट में पारित कर दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को ऑनलाइन गेमिंग के संवर्धन और विनियमन विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसे एक दिन पहले राज्यसभा ने पारित किया था। यह कानून सभी ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं पर प्रतिबंध लगाता है और सुविधा प्रदान करने वालों के लिए तीन साल तक की कैद और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान करता है।

न राहुल पीएम बनेंगे, न उदयनिधि सीएम, एनडीए की होगी जीत

अमित शाह का तमिलनाडु से दो टूक

अमित शाह ने तमिलनाडु में डीएमके सरकार को सबसे भ्रष्ट बताया और 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर विपक्ष के विरोध को पाखंड करार दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष बेटों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाने में लगा है, जबकि एनडीए राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राहुल गांधी और उदयनिधि की महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं होंगी, एनडीए की जीत निश्चित है।

एजेंसी

तमिलनाडु चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। इसी कड़ी में गृह मंत्री अमित शाह ने आज राज्य में बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन के शुरूआत में कहा कि मैं राज्य के लोगों को यह बताने आया हूँ कि उपराष्ट्रपति का पद संभालने के बाद, तमिलनाडु का बेटा सीपी राधाकृष्णन राज्यसभा का सभापति बनने जा रहा है। इससे पहले एनडीए ने एपीजे अब्दुल कलाम जी को भी भारत का राष्ट्रपति बनाकर यह सम्मान दिया था। नरेंद्र मोदी जी ने हमेशा तमिलनाडु, तमिल भाषा और तमिल संस्कृति को गौरवान्वित करने का काम किया है। शाह ने कहा कि मैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने प्रतिष्ठित तमिल नेता सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति जैसे प्रतिष्ठित पद के लिए नामित किया है। इसके बाद शाह ने कहा कि पहलगाम में, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों की दुखद जान ले ली। मोदी जी ने देश को दृढ़ता से आश्वस्त किया कि आतंकवादियों और उनके कृत्यों को अंजाम देने वालों, दोनों को परिणाम भुगतने होंगे। ऑपरेशन सिंदूर को अधिकृत करके, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान में गहराई तक स्थित आतंकवादी ठिकाने नष्ट कर दिए जाएँ। इसके अलावा, ऑपरेशन महादेव ने पहलगाम में हुए जघन्य हमले के लिए ज़िम्मेदार तीन आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया। भाजपा नेता ने कहा कि लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने 130वाँ संविधान संशोधन विधेयक पेश किया।

बिहार एसआईआर में आधार कार्ड या 11 अन्य दस्तावेज मान्य

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को बड़ा आदेश

अदालत ने निर्वाचन आयोग को मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए 11 दस्तावेजों या आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक दलों को उन 65 लाख लोगों की मदद करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया है।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनावी राज्य बिहार में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बदलाव करने से इनकार कर दिया, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह सूची से बाहर किए गए मतदाताओं को ऑनलाइन माध्यम से दावे दाखिल करने की अनुमति दे, साथ ही भौतिक रूप से भी दावा पेश करने की अनुमति दे। अदालत ने निर्वाचन आयोग को मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए 11 दस्तावेजों या आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक दलों को उन 65 लाख लोगों की मदद करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया है। अदालत ने कहा, सभी राजनीतिक दल अगली सुनवाई तक उस दावा प्रपत्र पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें, जिसे उन्होंने बहिष्कृत मतदाताओं द्वारा दाखिल करने में मदद की थी। मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि केवल दो आपत्तियाँ उठाई गईं, जबकि राजनीतिक दलों के 1.60 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) हैं। सुनवाई के दौरान, चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि उसे यह साबित करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। आयोग ने अदालत को यह भी बताया कि 85,000 बहिष्कृत मतदाताओं ने अपने दावा पत्र जमा कर दिए हैं

ईडी ने अवैध सट्टेबाजी मामले में कर्नाटक के विधायक के खिलाफ छापे मारे

एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कथित अवैध सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधन मामले में कर्नाटक के कांग्रेस विधायक के सी वीरेंद्र पप्पी, उनके भाई और कुछ अन्य के खिलाफ कई राज्यों में छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वीरेंद्र (50) चित्रदुर्ग विधानसभा सीट से विधायक हैं। राज्य विधानसभा सत्र के अंतिम दिन हुई ईडी की कार्रवाई पर विधायक की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। उन्होंने बताया कि गोवा में पप्पीज कैसीनो गोल्ड, ओशन रिवर्स कैसीनो, पप्पीज कैसीनो प्राइड, ओशन 7 कैसीनो और बिग डैडी कैसीनो पर भी छापे मारे गए।

आवारा कुत्तों की नसबंदी-टीकाकरण कर छोड़ें:सुप्रीम कोर्ट

सिर्फ खूंखार-रेबीज संक्रमित कैद में रहें; सार्वजनिक जगहों पर खाना न दें

कोर्ट ने आदेश दिया कि कुत्तों को पब्लिक प्लेस में खाना न दिया जाए और नगर निगम इसके लिए अलग जगह बनाए। कोर्ट ने कहा कि ये आदेश दिल्ली समेत पूरे देश में लागू होगा। साथ ही याचिका में शामिल व्यक्ति 25 हजार और 2 लाख रुपए कोर्ट में जमा कराएं।

एजेंसी

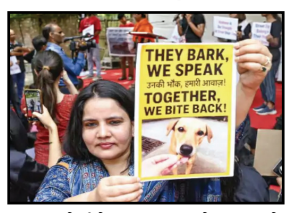

नई दिल्ली ,सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में शुक्रवार को कहा कि जिन कुत्तों को पकड़ा जाता है, उनकी नसबंदी और टीकाकरण कर जहां से उठाया है, वहीं वापिस छोड़ दिया जाए। हालांकि, रेबीज से संक्रमित और आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों को शेल्टर होम में ही रखा जाए। कोर्ट ने 11 अगस्त के 2 जजों की बेंच के उस आदेश को बेहद कठोर बताया, जिसमें सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में दिल्ली- आवासीय क्षेत्रों से हटाकर हमेशा के लिए शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की स्पेशल बेंच ने 14 अगस्त को डॉग लवर्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था।

सुप्रीम कोर्ट बोला- नेशनल लेवल पर पॉलिसी जरूरी, अब अक्टूबर में सुनवाई

जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा- इसके लिए नेशनल लेवल पर पॉलिसी बननी चाहिए। हमने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है। देश के बाकी हाईकोर्ट में जहां भी मामले लंबित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर किया जाए। अगली सुनवाई आठ हफ्ते बाद अक्टूबर के लिए लिस्ट कर दी है।

कभी न तो डरूंगी और न ही हार मानूंगी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

राष्ट्रीय राजधानी के यमुना पार क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव बजटीय सहायता का आश्वासन भी दिया और कहा कि इससे एक विकसित दिल्ली के निर्माण में मदद मिलेगी।

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनसुनवाई के दौरान हुए हमले के दो दिन बाद शुक्रवार को औपचारिक तौरपर कामकाज फिर शुरू करते हुए कहा कि वह कभी न डरेंगी, न ही हारेंगी और राष्ट्रीय राजधानी के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेंगी। रेखा गुप्ता ने यमुना पार इलाके के गांधी नगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संघर्ष उनका अटल संकल्प है। उन्होंने कहा, आपकी मुख्यमंत्री न तो डरेंगी, न थकेंगी और न ही हारेंगी। मैं आपके साथ तब तक संघर्ष करती रहूंगी जब तक दिल्ली को उसके अधिकार नहीं मिल जाते। यह मेरा अटल संकल्प है।

आरोप वोट चोरी पर जवाब नहीं देने का लगाया आरोप

जयराम रमेश ने चुनाव आयोग को बताया 'चुराओ आयोग'

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर तीखा हमला बोला और बड़े पैमाने पर मतदाताओं के दमन का आरोप लगाया और चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब 21 जुलाई को अध्यक्ष ने फैसला सुनाया, तो उन्होंने जगदीप धनखड़ का इस्तीफा क्यों मांगा? वे क्या संदेश देना चाहते थे? जब लोकतंत्र की हत्या हो रही है, भारत का चुनाव आयोग वोट चोरी पर कोई जवाब नहीं दे रहा है और मुख्य चुनाव आयुक्त लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को धमका रहे हैं, 65 लाख लोगों के वोट छीने जा रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने ऐसी परिस्थितियों में संसदीय कार्यवाही की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब देश में लोकतंत्र या संविधान ही नहीं है, तो शून्यकाल और प्रश्नकाल का क्या मतलब है? वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सरकार पर दलितों और ओबीसी को निशाना बनाकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में जानबूझकर मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, यह 'चुनाव आयोग' नहीं, बल्कि 'चुराओ आयोग' है। एसआईआर प्रक्रिया में सिर्फ. मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री ने भारत के चुनाव आयोग से यह प्रक्रिया अपनाने को कहा है क्योंकि वे जानते हैं कि दलित और पिछड़े वर्ग भाजपा को नहीं, बल्कि भारत गठबंधन को वोट देंगे। वे वोट छीनना चाहते हैं क्योंकि चुनाव जीतने का यही एकमात्र तरीका है। इस बीच, कांग्रेस के एक अन्य नेता केसी वेणुगोपाल ने बिहार में मतदाता सूची के मुद्दों पर चिंता व्यक्त करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बिहार को न्याय दिए जाने पर विश्वास व्यक्त किया। एएनआई से बात करते हुए, वेणुगोपाल ने कहा कि बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में निकाली गई यात्रा के दौरान, लोगों ने मतदाता सूची से वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जाने के ठोस सबूत पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट बिहार को न्याय देगा। यह आम धारणा है। बिहार में एसआईआर से जुड़े कुछ वास्तविक मुद्दे हैं। राहुल जी और तेजस्वी जी बिहार में यात्रा कर रहे हैं, और लोग ठोस सबूतों के साथ उनसे शिकायत कर रहे हैं। हम देख सकते हैं कि कितने वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। हमें सुप्रीम कोर्ट से न्याय की उम्मीद है।

एएनआई से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने ऐसी परिस्थितियों में संसदीय कार्यवाही की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब देश में लोकतंत्र या संविधान ही नहीं है, तो शून्यकाल और प्रश्नकाल का क्या मतलब है? वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सरकार पर दलितों और ओबीसी को निशाना बनाकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में जानबूझकर मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया।

पारित सभी विधेयक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण होंगे: सांसद संतोष पांडेय

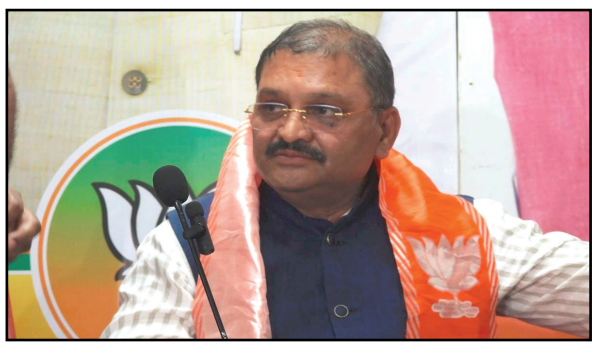

सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चला। इस दौरान कुल 21 बैठकें हुईं। सत्र में 14 विधेयक लोकसभा में पेश किए गए, एक विधेयक वापस लिया गया और 12 विधेयक लोकसभा पारित हुए।

एजेंसी

रायपुर। भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने एकात्म परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में संसद के भीतर हुई चर्चा हमेशा महत्वपूर्ण होती है लेकिन कांग्रेस हमेशा अपने स्वार्थ सिध्दी के लिए ही सदन में चर्चा पर शामिल नहीं होती है। यह लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। हम जब प्रतिपक्ष में थे सार्थक चचाओं से सदन की गरिमा को और मजबूत बनाकर राष्ट्र हित में अपनी महत्ती भूमिका निभाते रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदन में हो रहे गंभीर चचाओं में हिस्सा लेने के बजाय अपने कथित प्रयासों से देश को भ्रमित करने का काम करती है जिसे देश की जनता भलिभांति समझती है।

सांसद पांडेय ने कहा कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चला। इस दौरान कुल 21 बैठकें हुईं। सत्र में 14 विधेयक लोकसभा में पेश किए गए, एक विधेयक वापस लिया गया और 12 विधेयक लोकसभा पारित हुए। इस दौरान विपक्ष ने सदन चलने नहीं दिया। बार-बार के व्यवधानों के चलते सदन का सत्र प्रभावित रहा। जिसमें 130 घंटे के कुल समय में से केवल 37 घंटे ही कार्यवाही हो पाई।

सम्पादकीय

तर्कसंगत जीएसटी, व्यापक सुधार से ही लाभ

भारत के समक्ष उनकी मनमानी टैरिफ नीति का डटकर मुकाबला करने के अलावा और कोई उपाय नहीं। यह अच्छा है कि भारत ऐसा ही कर रहा है लेकिन इसी के साथ यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है कि भारतीय कारोबार जगत अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सक्षम बने। उसे जीएसटी में प्रस्तावित सुधारों का लाभ उठाकर खुद को सक्षम बनाना होगा। प्रधानमंत्री की ओर से लाल किले की प्राचीर से जीएसटी में व्यापक सुधार की घोषणा के अनुरूप वस्तु एवं सेवा कर को तर्कसंगत बनाने के लिए गठित समूह ने 5 और 18 प्रतिशत के केवल दो स्लैब के केंद्र सरकार के प्रस्ताव का जो अनुमोदन किया, उसे सभी राज्यों की सहमति मिलनी चाहिए। जीएसटी की 12 और 28 प्रतिशत वाली श्रेणियां हटाकर केवल 5 और 18 प्रतिशत वाली दो श्रेणियां समय की मांग हैं। इसकी जरूरत इसलिए भी जताई जा रही थी, क्योंकि इससे एक तो जटिलता बढ़ रही थी और दूसरे, रोजमर्रा की कुछ आवश्यक वस्तुएं महंगी भी थीं। जीएसटी के दो स्लैब का लाभ केवल आम आदमी को ही नहीं, कारोबार जगत को भी मिलेगा। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि राजस्व में आने वाली फौरी कमी आने वाले समय में बढ़ सकती है, क्योंकि तंबाकू जैसे अहितकारी एवं लक्जरी कारों समेत अन्य चुनिंदा विलासी मानी जाने वाली वस्तुओं पर से उपकर हटाकर 40 प्रतिशत की एक विशेष श्रेणी का प्रस्ताव किया गया है। आशा है कि जीएसटी काउंसिल इसी दिशा में आगे बढ़ेगी और फैसले लेगी, लेकिन केवल दो स्लैब वाला जीएसटी ही पर्याप्त नहीं। इसके साथ ही इस टैक्स व्यवस्था में अन्य अपेक्षित बदलाव भी किए जाने चाहिए, ताकि कारोबारियों को अधिक कागजी काम न करने पड़ें और टैक्स चोरी भी रुके।एक आंकड़े के अनुसार वित्त वर्ष 2023 में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता चला। जीसएटी चोरी के खिलाफ सख्ती बरती ही जानी चाहिए, लेकिन उसके कारणों की तह तक भी जाना होगा।उचित यह भी होगा कि केंद्र और राज्य सरकारें शराब और पेट्रोलियम पदार्थों को भी जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार करें। यह भी आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि जीएसटी के साथ ही अन्य आर्थिक सुधारों पर भी तेजी से आगे बढ़ा जाए। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर नए दौर के आर्थिक सुधारों के लिए एक विशेष कार्यबल बनाने की जो घोषणा की, उस पर अमल होते हुए दिखना चाहिए। ऐसा इसलिए आवश्यक है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के खिलाफ शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रखा है। वे भारत के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। भारत के समक्ष उनकी मनमानी टैरिफ नीति का डटकर मुकाबला करने के अलावा और कोई उपाय नहीं। यह अच्छा है कि भारत ऐसा ही कर रहा है, लेकिन इसी के साथ यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है कि भारतीय कारोबार जगत अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सक्षम बने।

आज का विचार

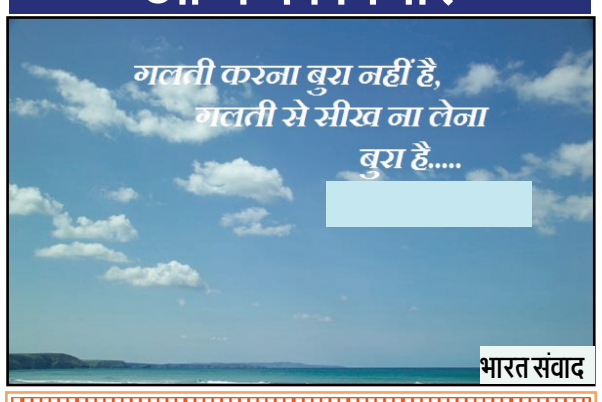

राशिफल

मेष राशि : दिन मिश्रित परिणाम प्रदान करने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, आप अपने व्यवहार और मधुर वाणी से किसी भी स्थिति को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है।

वृषभ राशि : समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और व्यापार के मामले में कोई शुभ समाचार सुनने को भी मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जो भविष्य में लाभकारी साबित होगी। लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है

मिथुन राशि: व्यापार और नौकरी के मामले में दिन शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारी के सहयोग और समर्थन से आपकी उत्तम संपत्ति प्राप्त करने की इच्छा पूर्ण हो सकती है। वहीं, पिता से भी किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति होने की संभावना है।

कर्क राशि: आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के योग हैं। आपको कहीं से अचानक बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और आर्थिक स्थिति में भी लगातार बढ़ोतरी होती जाएगी। व्यापार के मामले में आपकी रुकी हुई योजनाएं तेजी से आगे बढ़ सकती हैं और मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी।

सिंह राशि : राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का दिन अच्छा रहने वाला है। आपको बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। व्यापार के मामले में कार्यक्षेत्र में रुके हुए कार्य अब पूरे हो सकते हैं और उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे।

कन्या राशि : कार्यक्षेत्र में सक्रिय रहने, मेहनत और लगन के साथ काम करने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। साथ ही, लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे। रचनात्मक कार्यों में भी आपकी रुचि बढ़ सकती है।

तुला राशि: विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा या किसी प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वालों की समझदारी के चलते उनका मान-सम्मान बढ़ेगा और आय के नए स्रोत बनने से खुश रहेंगे।

वृश्चिक राशि : आर्थिक मामलों में दिन उत्तम रहेगा और आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी। धन लाभ के शुभ संयोग बनते जाएंगे, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगेगी। कार्यक्षेत्र में अगर कोई काम लंबे समय से रुका था तो वह अब पूरा हो सकता है।

धनु राशि : सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी और घर के जरूरत के सामान खरीदने पर भी आप कुछ पैसे खर्च कर सकते हैं। लेकिन व्यापार में आपको धन के मामले में किसी भी प्रकार की लेन-देन करते समय सावधानी बरतनी होगी। जल्दबाजी में फैसले लेने से पैसा फंसने की संभावना है।

मकर राशि: व्यवसाय के क्षेत्र में समय अनुकूल रहेगा और लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में भी दिन अच्छा रहने वाला है और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती जाएगी। आप व्यवसाय में परिवर्तन की योजना भी बना सकते हैं

कुंभ राशि : आपका दिन सामान्य से कम अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या होने के संकेत हैं।ऐसे में ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है और अधिक खर्चे की स्थिति भी बन सकती है। व्यापार के मामले में भी आपको पैसों के लेन-देन में सावधान रहना होगा। बिना सोचे-समझे फैसले लेने से नुकसान हो सकता है।

मीन राशि: बिजनेस के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। कामधंधे उन्नति प्राप्त होने से आप पूरा दिन खुश रहेंगे और उत्साह से भरपूर होंगे। स्टूडेंट्स के लिए भी समय अनुकूल रहेगा और मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यापार में पास या दूर की किसी यात्रा से लाभ हो सकता है।कोई भी शुभ काम करने से पहले माता-पिता आशीर्वाद लेना लाभदायक रहेगा

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आवश्यक रक्षा कवच है सुदर्शन चक्र, वैश्विक सुरक्षा-सामरिक परिदृश्य बहुत तेजी से बदला

आत्मनिर्भरता का भाव बढ़ाने के साथ ही यह सतह हवा और समुद्र से भी संचालन-प्रक्षेपण में सक्षम होगा। इसका पुनउपयोग भी किया जा सकेगा। इसका नियंत्रण भी चीफ आफ डिफेंस स्टाफ-सीडीएस के माध्यम से होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जब सुदर्शन चक्र नाम वाली रक्षा प्रणाली प्रभाव में आएगी तो हमारे सामरिक ढांचे का प्रमुख स्तंभ बनेगी।

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई महत्वाकांक्षी घोषणाएं कीं। ऐसी ही एक घोषणा राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर भी हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित महसूस होना चाहिए। इसे सुनिश्चित करने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र को मूर्त रूप दिया जाएगा। इसके अंतर्गत अगले दस वर्षों के दौरान स्वदेशी तकनीकी विकास के माध्यम से भारत के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों का सुरक्षा कवच मजबूत किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरणा लेते हुए हमने सुदर्शन चक्र की राह चुनी है। इस तंत्र से संबंधित समस्त शोध, विकास एवं विनिर्माण भारत में ही किया जाएगा। यह भी एक संयोग ही है कि भारत की प्रमुख स्ट्राइक कोर में से एक 21 कोर को भी सुदर्शन चक्र ही कहते हैं। अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित यह आक्रामक इकाई दुश्मन को उसके इलाके में गहरी चोट पहुंचाने की क्षमताओं से लैस है। पिछले कुछ समय में वैश्विक सुरक्षा-सामरिक परिदृश्य बहुत तेजी से बदला है और निरंतर परिवर्तनों से गुजर रहा है। इस परिदृश्य में मिसाइल डिफेंस प्रणाली राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतियों का आधार स्तंभ बन गई है। इस क्रम में उन्नत तकनीकें मिसाइल खतरों का पता लगाने, उन्हें ट्रैक करने, इंटरसेप्ट करने और निष्क्रिय करने के लिए डिजाइन की गई हैं। इनके काम का दायरा छोटी रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलों से लेकर अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों यानी आइसीबीएम तक फैला हुआ है। भू-राजनीतिक (जियो-पालिटिकल) तनाव बढ़ने की स्थिति में जब मिसाइलों का चलन बढ़ता है, तब सशक्त मिसाइल रक्षा प्रणालियों का महत्व अत्यधिक बढ़ जाता है। इस कड़ी में इजरायल की आयरन डोम प्रणाली का अक्सर उदाहरण दिया जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस साल एलान किया कि वे 175 अरब डालर की लागत से तैयार होने वाली गोल्डन डोम प्रणाली से अमेरिका के रक्षा आवरण को और अभेद्य बनाएंगे। गोल्डन डोम की संकल्पना स्थल, समुद्र और अंतरिक्ष आधारित मिसाइलों को निष्प्रभावी करने को ध्यान में रखकर की गई है। रूस ए-135 एंटी-बैलिस्टिक प्रणाली के जरिये मास्को और अन्य महत्वपूर्ण शहरों की रक्षा करता है। उसके पास एस-400 जैसी कारगर प्रणाली भी है जो तमाम मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम है। भारत के पास भी एस-400 की तीन स्क्वाड्रन हैं, जिसमें दो स्क्वाड्रन का और जुड़ाव होना है। चीन के पास एचक्यू-9 जैसी प्रणाली है। सतह से हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की यह एंटी-बैलिस्टिक क्षमता प्रणाली एक तरह से रूसी एस-300 का ही चीनी संस्करण है। विमान, क्रूज मिसाइल और टैक्टिकल बैलिस्टिक जैसे हवाई खतरों को इंटरसेप्ट करने में सक्षम इस प्रणाली को चीन ने पाकिस्तान, मोरक्को, मिस्र, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे देशों को बेचा भी है। ताइवान और जापान के पास भी ऐसी ही प्रणालियां हैं। ताइवान के पास जहां स्काई बो श्रेणी की सतह से हवा में मार करने वाली, एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल और एंटी-एयरक्राफ्ट रक्षा प्रणाली है, वहीं जापान की योजना अमेरिका के पीएसी-3 वाले सतह से हवा में सक्रिय होने वाले इंटरसेप्टर्स को अपनाने की है। अन्य प्रमुख देशों की तरह भारत भी मिसाइल संबंधी खतरों और साइबर हमलों के प्रति अपना रक्षा कवच मजबूत बनाने में लगा है। आपरेशन सिंदूर में इस रक्षा कवच का प्रभावी असर भी देखने को मिला। इंटीग्रेटेड एयर कमांड एवं कंट्रोल सिस्टम यानी आइएसीसीएस के जरिये भारत ने पाकिस्तान के मिसाइल हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम किया। अनुमान है कि प्रस्तावित सुदर्शन चक्र को भारत के मौजूदा हवाई सुरक्षा ढांचे से भी जोड़ा जाएगा। इसे मूल रूप से आइएसीसीएस के आधार पर विकसित किया जाएगा, जिसमें सेना के स्वदेशी आकाशतीर नेटवर्क का भी समावेश होगा। सुदर्शन चक्र में अत्याधुनिक निगरानी, इंटरसेप्शन और प्रतिकार करने की क्षमताएं होंगी। यह हवा में, स्थल पर या समुद्र के साथ-साथ साइबरस्पेस से दस्तक देने वाले किसी भी खतरे को तत्काल निष्प्रभावी करने में सक्षम होगा। माना जा रहा है कि सुदर्शन चक्र की क्षमताएं पारंपरिक मिसाइल डिफेंस से भी कहीं अधिक होंगी। वर्तमान में जिस तरह के नए-नए खतरे बढ़े हैं, उसे देखते हुए सैन्य एवं तकनीकी रक्षा कवच को और मजबूत बनाया जाना अपरिहार्य हो गया है। याद रहे कि आधुनिक समर नीति में केवल सैन्य प्रतिष्ठान ही नहीं, बल्कि बिजली ग्रिड, संचार नेटवर्क, खाद्य एवं जल आपूर्ति, स्वास्थ्य सुविधाएं और रक्षा प्रणालियां भी निशाने पर होती हैं। इसलिए सुदर्शन चक्र जैसे ढांचे की उपयोगिता बहुत बढ़ जाती है। इसमें सैन्य तकनीकों के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती तकनीकों की भी अहम भूमिका होगी।वैसे तो मिशन सुदर्शन चक्र की रूपरेखा अभी पूरी तरह सामने नहीं आई, पर इसमें भारत की प्रतिष्ठित अनुसंधान इकाइयों, रक्षा प्रतिष्ठानों और निजी क्षेत्र की सहभागिता-सक्रियता देखने को मिलेगी। इसके अतिरिक्त, यह आकाश, एस-400 और क्यूआर-सैम जैसी मौजूदा प्रणालियों के साथ-साथ लेजर-आधारित इंटरसेप्टर जैसी भविष्य की ताकत से संचालित होकर एक संयुक्त रक्षा प्रणाली की भूमिका निभाएगा। इसे प्रभावी जवाबी हमलों की क्षमताओं के साथ ही हैकिंग और फिशिंग जैसे साइबर खतरों से निपटने की दृष्टि से भी तैयार किया जाएगा।आत्मनिर्भरता का भाव बढ़ाने के साथ ही यह सतह, हवा और समुद्र से भी संचालन-प्रक्षेपण में सक्षम होगा। इसका पुनःउपयोग भी किया जा सकेगा। इसका नियंत्रण भी चीफ आफ डिफेंस स्टाफ-सीडीएस के माध्यम से होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जब सुदर्शन चक्र नाम वाली रक्षा प्रणाली प्रभाव में आएगी तो हमारे सामरिक ढांचे का प्रमुख स्तंभ बनेगी। एक निरंतर जटिल होते सुरक्षा परिदृश्य में अत्याधुनिक तकनीकों के जुड़ाव से उभरते हुए खतरों से निजात दिलाने में यह प्रणाली अहम भूमिका निभाकर भी अपनी उपयोगिता साबित करेगी।

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का

ललित गर्ग

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है। गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामें को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा? आजादी के बाद से कतितय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकता है न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस नये विधेयक की अपेक्षा सामने आई।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, धनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है। अपराधमुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा का केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और राजनीति को सेवा, शुचिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए।

भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो। किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमति अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की वकालत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं।

दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता बचाने और सुरक्षा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है?

विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है

अशिक्षा जनित अंधविश्वास, समग्र विकास में अवरोध।

संजीव ठाकुर

आश्चर्य की बात है कि आज के प्रगतिशील वैज्ञानिक युग में विज्ञान और टेक्नोलॉजी से शिक्षित जनमानस भी अंधविश्वास और रूढ़िवादिता का अंधभक्त या अनुयाई हो गया है। मकान में वास्तु दोष दूर करने के लिए अनावश्यक तोड़फोड़ और सुधार के लिए लाखों खर्च किए जाते हैं। यह अंधविश्वास का एक जीता जागता प्रमाण है। वास्तु दोष तथा अंधविश्वास को मानने वाले 90% शिक्षित युवा इस मकड़ जाल में फंसे हुए हैं। अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात है।यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता है।उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक है।शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर इतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिए।बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए।

भारत विकास परिषद ने दी अनूठी सीख

गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत करने वाला विशेष कार्यक्रम, छात्रों और शिक्षकों का हुआ सम्मान

भारत संवाद

प्रयागराज, भारत विकास परिषद कालिंदी शाखा द्वारा आज प्राथमिक विद्यालय मुबारकपुर कोटवा में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता को बच्चों तक पहुंचाना और समाज में शिक्षा तथा संस्कारों के महत्व को उजागर करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्रों को बताया गया कि गुरु ही जीवन में सही दिशा दिखाते हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही सफलता और सम्मान प्राप्त किया जा सकता है। बच्चों को सदैव गुरुजनों का आदर करने और उनके मार्गदर्शन को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें देशभक्ति गीत, नृत्य और कविताएं शामिल थीं। बच्चों की प्रस्तुतियों को सभी अतिथियों और शिक्षकों ने सराहा। कार्यक्रम में वार्षिक परीक्षा में प्रथम आने वाले छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्हें सर्टिफिकेट और उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया, वहीं उपस्थित सभी छात्रों को चॉकलेट वितरित की गई

मोबाइल के लिए चचेरे भाई का अपहरण किया

ईंट से सिर कूचा, हाथ-पैर बांधकर झाड़ियों में फेंका; चेहरे की खाल खा गईं चींटियां

भारत संवाद

प्रयागराज, 16 साल के लड़के ने अपने 9 साल के चचेरे भाई का अपहरण कर लिया। पोल खुलने के डर से आरोपी ने भाई को मारना चाहा। इसलिए ईंट से उसका सिर कूच दिया। जब वह बेसुध हो गया तो हाथ-पैर बांधकर उसे घर से 500 मीटर दूर झाड़ियों में फेंक दिया। वारदात के करीब 14 घंटे बाद पुलिस ने बच्चे को घायल अवस्था में बरामद किया है। बच्चे के चेहरे, आंख-कान पर चींटियां रेंग रही थीं। चींटियां चेहरे के कुछ हिस्से की खाल खा गई थीं। पुलिस ने घायल बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया है। सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने आरोपी चचेरे भाई को अरेस्ट कर लिया। उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। बताया, उस पर 1800 रुपए का कर्ज हो गया था। जिसे वह

फिरौती के रकम से चुकाना चाहता था। साथ ही महंगा मोबाइल खरीदना चाहता था। मामला कौंधियारा थाना क्षेत्र का है। घर के बाहर खेलने गया, लापता हो गया जारी गांव के रहने वाले राजेश केसरवानी चावल कारोबारी हैं। उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा श्लोक कुमार 7वीं में पढ़ता है। जबकि छोटा बेटा अंश (9) चौथी क्लास का छात्र है। राजेश ने बताया, छोटा बेटा अंश बुधवार सुबह करीब 8 बजे घर से बाहर खेलने के लिए निकला था। मैं बाजार से घर आया तो पत्नी ने कहा, अंश आज खाना खाने नहीं आया। पता नहीं, कहां चला गया है। मोहल्ले में भी कहीं नहीं है। इसके बाद हम लोगों ने उसकी खोजबीन की। मगर, वह नहीं मिला। शाम करीब 5 बजे थाने पर बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। राजेश कहते हैं- पुलिस और हम लोग लगातार उसे खोज रहे थे। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दी कि एक लड़का झाड़ियों में पड़ा हुआ है। हम लोग मौके पर पहुंचे। यहां झाड़ियों में देखा कि मेरा बेटा पड़ा हुआ था। उसके हाथ-पैर बंधे थे। सिर से खून निकल रहा था। चेहरे पर चींटियां लगी हुईं थीं। हम लोगों ने तत्काल बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल और घर के आसपास लगे हुए सीसीटीवी देखे।

इसमें आरोपी अपने भाई अंश को ले जाता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। सीसीटीवी से पकड़ा गया आरोपी, रिश्तेदार निकला पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया- मैं अंश को घर से कंचा (कांच की गोलियां) देने के बहाने अपने साथ लेकर गया था। उसे झाड़ियों के पास ले गया। जहां मैंने उसके सिर पर पत्थर मार दिया।

फास्ट ट्रैक

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन को पुलिस अधीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर, पद प्रतीक/बैज लगाकर दी गई शुभकामनाएं एवं बधाई

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा पुलिस कार्यालय पर जनपद में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन मीरजापुर के पद पर नियुक्त ह्यओम प्रकाश सिंह को पुलिस अधीक्षक(आई0पी0एस0) के पद पदोन्नत होने पर, पद प्रतीक/बैज लगाकर शुभकामनाएं एवं बधाई दी गयी तथा अपने पदेन कर्तव्यों को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर-निनेश सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें ।

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0कटरा पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज 22.08.2025 को उप निरीक्षक हरिनाथ यादव मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी श्याम बाबू पुत्र भौरिक लाल निवासी चौकी बगहां थाना मेजा जनपद प्रयागराज को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट की वांछित अभियुक्ता गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः18.07.2025 को थाना को0कटरा पुलिस टीम द्वारा दयावन्तपुरम कालोनी के पास कच्ची सड़क से अभियुक्त दीपक बिन्द पुत्र राजकुमार बिन्द निवासी सोहता का अड्डा थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को 23.30 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था ।उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना को0कटरा पर मु0अ0सं0-215/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया था । थाना को0कटरा पर पंजीकृत मुकदमा उपरोक्त में वांछित अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा सम्भावित स्थानों पर दबिश दी जा रही थी कि दिनांकः21.08.2025 को उप-निरीक्षक अनिल कुमार सिंह मय हमराह मुख्य आरक्षी अक्षय यादव, महिला आरक्षी ममता देवी व बिन्दु यादव द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन के पास से नामजद अभियुक्ता नेहा पुत्री पतालू सोनकर निवासिनी छोटा मीरजापुर थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

स्टोन क्रेशर/कटिंग प्लांट स्वामी भण्डारण अनुज्ञप्ति हेतु पोर्टल पर आवेदन पत्र अपलोड करते हुए भण्डारण अनुज्ञप्ति तत्काल प्राप्त करें ले भण्डारण लाइसेन्स -जिलाधिकारी

मीरजापुर 22 अगस्त 2025- जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद में स्टोन क्रेशर उद्योग व अन्य खनिज आधारित उद्योगो को भण्डारण अनुज्ञा स्वीकृत किये जाने तथा स्टोन क्रेशर से अथवा अन्य खनिज आधारित उद्योगो से उपखनिजों का परिवहन ई-फार्म-सी के माध्यम से किये जाने के निर्देश शासनादेश दिनांक 09.03.2019 तथा निदेशालय के पत्र दिनांक 09.11.2022 द्वारा दिया गया है। जनपद के स्टोन क्रेशर मालिक अथवा अन्य खनिज आधारित उद्योगो के मालिक द्वारा उक्त शासनादेश के बिन्दु संख्या-2 (ग) के अनुसार उ0प्र0 खनिज (अवैध खनन परिवहन भण्डारण का निवारण) (प्रथम संशोधन) नियमावली-2019 के अनुक्रम में भण्डारण अनुज्ञा स्वीकृत करा कर उपखनिजों का परिवहन ई-फार्म-सी0 के माध्यम से नही किया जा रहा है, जो कि शासनादेश/दिशा निदेर्शों का उल्लंघन है। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है

इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों संग लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

भारत संवाद

प्रयागराज , इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन केंद्र द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं विज्ञान और समाज केंद्र, अंतःविषय अध्ययन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में गयादीन विश्वकर्मा इण्टरमीडिएट कालेज, भिदिउरा, थरवई, प्रयागराज में एक दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और उन्हें पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरणीय संकट पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बन चुका है। ऐसे में विश्वविद्यालय द्वारा विद्यालय स्तर पर जाकर बच्चों और युवाओं को जागरूक करना एक सराहनीय पहल है।इसके अतिरिक्त डॉ. पुनीता पांडेय, डॉ. रोहित कुमार मिश्रा, डॉ. पवन कुमार झा, डॉ. कुमार सुरंजीत, डॉ. पंकज श्रीवास्तव, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. अर्पणा पाण्डेय एवं डॉ. शशिकांत शुक्ला ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए और पर्यावरण जागरूकता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में विविध गतिविधियों का आयोजन हुआ, जिनमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, नाटक प्रदर्शन तथा जागरूकता रैली विशेष आकर्षण रहे। विद्यार्थियों ने अपने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से पर्यावरणीय समस्याओं और उनके समाधान को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया। नाटक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया, वहीं रैली ने पूरे क्षेत्र में स्वच्छता और हरियाली का संदेश पहुँचाया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में वृहद वृक्षारोपण किया गया, जिसमें शिक्षकों, विद्यार्थियों और अतिथियों ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। वृक्षारोपण के माध्यम से सभी ने हरित भविष्य का संदेश दिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विद्यालय के प्रबंधक तीर्थराज विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय और गयादीन विश्वकर्मा इण्टरमीडिएट कालेज का यह संयुक्त प्रयास विद्यार्थियों को न केवल शिक्षा के प्रति बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति भी संवेदनशील बनाने की दिशा में सार्थक कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन लगातार होते रहेंगे। इसके साथ ही विद्यालय के प्रबंधक ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में सभी ने शपथ ली कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए जीवन में पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाएँगे और समाज में भी इस संदेश को फैलाएँगे।

जिलाधिकारी ने आकांक्षात्मक विकास खण्ड-बहरिया, कोरांव एवं माण्डा की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में आकांक्षात्मक विकास खण्ड-बहरिया, कोरांव एवं माण्डा की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी ने विकास खण्ड बहरिया, कोरांव एवं माण्डा में पंचायतीराज विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, बाल विकास पुष्टाहार विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, ऊर्जा एवं ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को अपने विभाग से सम्बंधित कार्रवाई योग्य बिंदु जो कि अभी लम्बित है, उनपर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से सम्बंधित ब्लाकों में बीएचएनडी सेशन में सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी इक्यूपमेंटों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सभी आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री वीएचएनडी सेशन में सभी आवश्यक इक्यूपमेंट अवश्य ले जायें और वीएचएनडी सेशन में आने वाली गर्भवती महिलाओं की एएनसी का पूरा चेकअप करने के निर्देश दिए है। उन्होंने उच्च रक्तचाप, डायबिटीज की जांच कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने बहरिया, कोरांव एवं माण्डा में संस्थागत प्रसव बढ़ाये जाने के निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है कि जनपद के 23 विकास खण्डों में से 02 विकास खण्ड बहरिया एवं कोरांव का चयन नीति आयोग भारत सरकार एवं विकास खण्ड माण्डा चयन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आकांक्षात्मक विकास खण्ड के अन्तर्गत किया गया है। 108 आकांक्षात्मक ब्लाकों की एब्शोल्यूट रैकिंग में बहरिया-15, कोरांव-63 एवं माण्डा-68 एवं डेल्टा रैकिंग में बहरिया-102, कोरांव-107 एवं माण्डा की रैकिंग-12 है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एनसीईआरटी आधारित पाठ्य पुस्तकों का प्रशिक्षण संपन्न

भारत संवाद

विकासखंड कौड़िहार में एनसीईआरटी की पाठ पुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण का अंतिम बैच आज संपन्न हुआ। इस बैच का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी कौड़िहार क्षमा शंकर पांडेय ने किया था। यह प्रशिक्षण दो अलग-अलग सभागार में 52 व 51 के बैच में संचालित हुआ। इस प्रशिक्षण में विकासखंड कौड़िहार के कल 228 अध्यापकों ने तथा श्रृंगवेरपुर के 212 अध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में संदर्भदाता प्रभा शंकर शर्मा, अजमल अमीन अंसारी, आनंद प्रताप यादव, अनिल कुमार, सूर्यबली यादव के साथ श्रृंगवेरपुर संदर्भदाता मंडल में सत्यांजली मिश्रा, पूनम चौधरी, वंदना वर्मा, रीता पांडेय व अमित जायसवाल सहित बीआरसी की तकनीकी टीम में विनय त्रिपाठी, अनिल पांडेय, विपुल विश्वकर्मा व अनुराग यादव आदि उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण में एनसीईआरटी द्वारा लागू की गई कक्षा 3 की भाषा, गणित एवं अंग्रेजी की

पुस्तक का प्रशिक्षण दिया गया। हिंदी की किताब 'वीणा-1' में उत्तर प्रदेश के परिपेक्ष्य में कुल 18 में से 4 पाठ प्रतिस्थापित किए गए हैं। जिन्हें उत्तर प्रदेश की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विविधता के हिसाब से जोड़ा गया है। इसी प्रकार गणित की किताब गणित मेला में बातचीत के माध्यम से गणित सिखाने का प्रयास किया गया है। इसमें प्रयागराज का मेला नाम का पाठ भी शामिल है। इसी प्रकार अंग्रेजी की पुस्तक 'संतूर' बच्चों को सरल ढंग से अंग्रेजी सिखाने में कारगर साबित होगी।

जिलाधिकारी ने बर्जी मुकुन्दपुर गोवंश आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

- पर्याप्त साफ सफाई न पाए जाने पर मुख्य चिकित्साधिकारी को चेतावनी देते हुए अनवरत सफाई कराने का दिया निर्देश
- गोवंशो का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुए उपलब्ध कराया जाए पौष्टिक आहार

भारत संवाद

मीरजापुर , जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने तहसील सदर अन्तर्गत ग्राम बर्जी मुकुन्दपुर में पहुंचकर गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बेहतर साफ सफाई न होने पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि गौशालाओं में नियमित दिन में लगभग से दो से तीन बार सफाई कराई जाए। उन्होंने गौशाला में स्थित भूषा गोदाम, चारा/चोकर, पानी आदि का निरीक्षण किया। गौशाला में भूषा, चोकर मात्रा के अनुसार पाया गया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि गौशाला में पशुओ को पर्याप्त भूषा, चारा चोकर आदि उपलब्ध कराया जाता हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि हरा चारा की व्यवस्था करते हुए भूषा के साथ दिया जाए। पशुओ के स्वास्थ्य के बारे में जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुए बीमार पशुओं का नियमानुसार उपचार कराया जाए। उन्होंने कहा कि गौशाला में उपलब्ध पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखा जाए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का सम्बंधित उपजिलाधिकारी के द्वारा औचक निरीक्षण किया

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिये जाने एवं चिकित्सालयों में उपलब्ध आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की अद्यतन स्थिति की जांच हेतु दिए गए निर्देश के क्रम में शुक्रवार को जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का सम्बंधित उपजिलाधिकारी के द्वारा औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सभी उपजिलाधिकारियों के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था, चिकित्सकों और स्टॉफ की उपलब्धता एवं उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति, चिकित्सकीय जांच की मशीनों की उपलब्धता एवं संचालन, अभिलेखों की स्थिति, जनसामान्य हेतु उपलब्ध आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, महिला प्रसव वार्ड की स्थिति, महिलाओं के प्रसव पश्चात रूकने की स्थिति एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं पर जांच कर अद्यतन आख्या प्रस्तुत की गयी।जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में उपजिलाधिकारी के माध्यम से जनपद के 22 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का शुक्रवार को प्रातः लगभग 8:00 बजे निरीक्षण किया गया जिसमें 11 चिकित्सक अनुपस्थित पाए गए हैं और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरकपुर बंद पाया गया है निरीक्षण के पश्चात जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जिनकी रोस्टर के अनुसार निरीक्षण के दौरान ड्यूटी निर्धारित थी और अनुपस्थित पाए गए उन सभी चिकित्सकों एवं स्टॉफ का आज का वेतन अवरुद्ध करने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं

स्वामी चिदानन्द सरस्वती — प्रत्येक श्वास ईश्वर का प्रसाद है

यज्ञ, एक आध्यात्मिक साधना जीवन भी एक यज्ञ

भारत संवाद

ऋषिकेश । ऋग्वेद से लेकर उपनिषदों और गीता तक, संपूर्ण सनातन परंपरा में यज्ञ, जीवन का सार है। यज्ञ केवल अग्नि में आहुति देना ही नहीं बल्कि जीवन का सर्वोच्च दर्शन भी है। यज्ञ का अर्थ है, त्याग, समर्पण और लोकमंगल की भावना। जैसे अग्नि में आहुति देने से सुगंधित धुआँ वातावरण को शुद्ध करता है, वैसे ही जब हमारा जीवन सेवा, करुणा, दान और प्रेम की आहुति बनता है, तो समाज और राष्ट्र शुद्ध तथा प्रकाशित होते हैं।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि हमारा जीवन स्वयं एक यज्ञ है। जन्म से लेकर मृत्यु तक हर क्षण हमें अवसर देता है कि हम अपने कर्म, विचार और संकल्पों को आहुति बनाएं। सांसों को भी एक आहुति मानें, प्रत्येक श्वास ईश्वर का प्रसाद है और

प्रत्येक निःश्वास लोकमंगल का संकल्प। जब हम धन से दान करते हैं, समय से सेवा करते हैं, ज्ञान से मार्गदर्शन देते हैं और प्रेम से सबको अपनाते हैं, तभी जीवन यज्ञमय बनता है। स्वामी जी ने कहा कि प्रकृति तो एक महायज्ञ और हमारी संपूर्ण सृष्टि भी यज्ञ का अनुपम उदाहरण है। सूर्य प्रतिदिन बिना थके अपनी किरणें देता है, नदियाँ निःस्वार्थ बहती हैं, वृक्ष फल-फूल देकर भी कुछ नहीं मांगते, वायु और जल जीवन को पोषित करते हैं। यह सब महायज्ञ का हिस्सा है। प्रकृति का प्रत्येक तत्त्व त्याग और सेवा का प्रतीक है। यदि हम सच में यज्ञ का अर्थ समझना चाहते हैं तो हमें प्रकृति से सीखना होगा कि कैसे निस्वार्थ भाव से देना ही आनंद का मार्ग है। स्वामी जी ने कहा कि आज की भागदौड़ और उपभोक्तावादी सोच में लेना स्वभाव बनता जा रहा है, जबकि यज्ञ हमें देने का संदेश देता है। जीवन को यज्ञमय बनाने के लिए हमें अपने छोटे-छोटे कर्मों को भी आहुति में बदलना होगा। प्रकृति हमें सिखाती है कि जीवन का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि संतुलन और संरक्षण है। जल हमें संयम सिखाता है, वायु हमें विस्तार की शिक्षा देती है, अग्नि हमें ऊर्जा और परिवर्तन का संदेश देती है, पृथ्वी हमें सहनशीलता और धैर्य सिखाती है। जब हम इन पंचतत्वों के संदेशों को अपने आचरण में उतारेंगे तो जीवन स्वतः ही एक महायज्ञ बन जाएगा। आज विश्व में संघर्ष, प्रदूषण और तनाव बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे समय में यज्ञ का यह संदेश देना, देना और केवल देना मानवता को नई दिशा दे सकता है। स्वामी जी ने कहा कि हमें यज्ञ को केवल वेदियों और मंत्रों तक सीमित न रखकर जीवनशैली में उतारना होगा। जब हम अपने कर्मों को, विचारों को और भावनाओं को लोकमंगल की आहुति बनाएंगे, तभी जीवन सफल और सार्थक होगा। आइए, हम संकल्प लें कि जीवन को यज्ञमय बनाएंगे, प्रकृति से सीखकर त्याग, सेवा और समर्पण का मार्ग अपनाएं और मानवता के कल्याण के लिए हर श्वास को आहुति बनाए। यही हमारी संस्कृति है, यही हमारी सनातन परंपरा और यही जीवन का सर्वोच्च सत्य है।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड मण्डल अनुश्रवण पुस्तिका में परिलक्षित राजस्व सम्बन्धित कार्यो की मण्डलायुक्त ने की गई समीक्षा

मण्डल के तीनो जपनद को विभिन्न 32 योजनाओं में ए श्रेणी प्राप्त

- मण्डलायुक्त ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन को सैम्पलिंग जांच बढ़ाने व आपूर्ति विभाग सोनभद्र को आधार सीडिंग शत प्रतिशत करने का दिया निर्देश
- मण्डल के तीनो जनपदो में प्रक्रियाधीन चकबन्दी कार्यो की भी समीक्षा कर तेजी लाने का दिया निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर ,मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी ने आज आयुक्त कार्यालय सभागार में कर करेत्तर, राजस्व वसूली से सम्बन्धित मण्डलीय अधिकारियों के साथ बैठक कर मा0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड अनुश्रवण पुस्तिका में परिलक्षित राजस्व कार्यो की रैकिंग/श्रेणी के अनुसार समीक्षा कर बी0 व सी0 श्रेणी प्राप्त करने वालो विभागो पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार लाने का निर्देश दिया। कर एवं करेत्तर, मुख्य देय, विविध देय तथा अन्य राजस्व से सम्बन्धित विभिन्न 32 योजनाओं में मण्डल को ए श्रेणी प्राप्त हुआ हैं। ए श्रेणी प्राप्त करने वाले योजनाओं में राइट आफ वे, उत्पन्न राजस्व बनाम लक्ष्य, पेट्रोल पम्पों का सत्यापन/मुद्राकंन, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना, मण्डी आय, मण्डी आवक, औषधि विक्रय लाइसेंस, संकलित नमूना एवं कृत कार्यवाही औषधि, संकलित नमूना एवं कृत कार्यवाही खाद्य, अमृत-2, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, आई0एम0 एम0एस0एस0 के अनुसार प्रर्वतन कार्य, एल0ओ0 आई0 के लिए आनलाइन आवेदन, प्रर्वतन कार्य, कृषि भूमि से गैर कृषि, अधिवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, ई खसरा खरीफ, ई खसरा रबी, एकीकृत आपदा राहत प्रबंधन, एंटी भू माफिया, जाति प्रमाण पत्र, निर्विवाद उत्तराधिकार, भूलेख, साल्वेंसी सर्टिफिकेट, मा0 मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष, भूतपूर्व सैनिको के परिचय हेतु आनलाइन सेवाएं को ए श्रेणी प्राप्त हुआ हैं।

शिक्षकों को अनवरत नया सीखते रहना चाहिए- डॉ विनोद कुमार शर्मा

भारत संवाद /आदेश मिश्र

जौनपुर, एक वर्षीय भाषा शिक्षण कोर्स नई शिक्षा नीति और एफ एल एन के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक साबित होगा। विकसित भारत के निर्माण में शिक्षकों की बहुत बड़ी भूमिका है शिक्षकों को अनवरत नया सीखते रहना चाहिए। डायट जौनपुर के सभागार में जनपद के यह कोर्स पूर्ण कर चुके शिक्षकों को सम्मानित करते हुए उप शिक्षा निदेशक प्राचार्य डॉ विनोद कुमार शर्मा ने उक्त बातें कहीं। एनसीईआरटी उत्तर प्रदेश और एल एल एफ के द्वारा अल्युमिनाई मेंटरशिप कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 26 शिक्षको ने एल एल एफ मेंटर के रूप में कार्य करते हुए लगभग 325 शिक्षकों को यह कोर्स कराया। जौनपुर में सुशील कुमार उपाध्याय, रागिनी गुप्ता, योगेंद्र सिंह और श्री प्रकाश सिंह ने सफलतापूर्वक मेंटरिंग करते हुए 60 शिक्षकों को विद्यालय अवधि के बाद और छुट्टियों में इस कोर्स को पूरा कराया। कार्यक्रम में विशाल उपाध्याय डी सी प्रशिक्षण, वरुण कुमार यादव प्रवक्ता, आर एन यादव प्रधानाचार्य, सत्येंद्र सिंह राणा, सतीश पाठक, विभा पांडेय, अरुण सिंह, सुषमा सिंह, सुशील यादव, आशीष श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

मण्डल के सभी जिलों के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में 25 अगस्त से चलेगा 15 दिवसीय स्वच्छता एवं स्वच्छ पेयजल अभियान

मण्डलायुक्त 28 अगस्त को मण्डलीय बैठक में करेंगी समीक्षा

प्रवीन कु.शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। अपनी जनहित कार्यशैली एवं मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप शासन-प्रशासन चलाने में अपनी तेज तर्रार शैली के अन्तर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली मौसमी बीमारियों के प्रभावी रोकथाम के लिए आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ श्रीमती संगीता सिंह बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने सभी नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों के स्तर पर 15 दिवसीय साफ-सफाई एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति सहित आम नागरिकों तक बेहतर से बेहतर चिकित्सा सेवा पहुँचाने के लिए सभी जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, अपर निदेशक चिकित्सा एवं उपनिदेशक पंचायतीराज विभाग को 25 अगस्त से 14 सितम्बर तक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि मण्डल के सभी जिलों की नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में विशेष सफाई अभियान के अन्तर्गत नियमित रूप से दो पालियों में रोस्टर बनाकर सफाई अभियान चलाया जाये। इसके लिए निकाय एवं ब्लॉक स्तर पर सम्पूर्ण कार्य योजना 24 अगस्त तक तैयार करते हुए अभियान की रूपरेखा तैयार कर ली जाये। अलीगढ़ शहरी क्षेत्र में नगर आयुक्त एवं नगर पालिका व नगर पंचायतों के अभियान की समीक्षा प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय द्वारा की जायेगी। ग्राम पंचायतों में चलाये जाने वाले अभियान के लिए ब्लॉक स्तर पर खण्ड विकास अधिकारी अभियान की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान में यह भी सुनिश्चित किया जाये कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य मार्ग, सड़क किनारे कूड़ा डम्प ना किया जाये और पूर्व से डमप किये गये कूड़े का निस्तारण कराते हुए ऐसे स्थलों

को कूड़ा विलोपित स्थल घोषित करते हुए वहाँ पर स्थाई रूप से ऐसी व्यवस्थाएं कर दी जाये। जिससे वहाँ पर भविष्य में कूड़े को डम्प ना किया जा सके। नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली पेयजल आपूर्ति के नियमित क्लोरीनेशन के लिए जल आपूर्ति नलकूपों पर इलैक्ट्रोनिक डोजर की स्थापना सुनिश्चित करते हुए खराब डोजरों को आगामी 03 दिवस के भीतर सही करा लिया जाये। नलकूप एवं स्टोर में पर्याप्त क्लोरीन सोल्यूशन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। शुद्ध जल आपूर्ति के नियमित परीक्षण के लिए निकाय के सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी के साथ निकाय क्षेत्र में स्थित सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सक्षम अधिकारी व कर्मचारी को नामित करते हुए समय-समय पर पानी के सेम्पल जिसमें निकाय के वार्ड पार्षद एवं सभासद के संयुक्त हस्ताक्षर से सक्षम प्रयोगशाला भेजकर परीक्षण कराया जाये। निकाय के अधिकारियों द्वारा स्वयं भी यह सुनिश्चित किया जाये कि निकायों में नियमति क्लोरीनेशन हो रहा है। इसके लिए सम्बन्धित पंजीका एवं स्टॉक बुक पर नियमित रूप से निकाय के अधिशासी अधिकारी द्वारा सत्यापन भी किया जाये। निकायों में सफाई व पेयजल सम्बन्धी कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए आम नागरिकों को सड़क पर कूड़ा फेंकने एवं गन्दगी को रोकने व जल की बवार्दी ना करने के लिए भी जागरूकता अभियान चलाकर सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार भी किया जाये।

फास्ट ट्रैक

आशा सम्मेलन कृष्णांजलि में आज 23 अगस्त को 10 बजे होगा प्रारम्भ

प्रवीन कु. शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा आज 23 अगस्त को प्रातः 10 बजे से कृष्णांजलि नाट्यशाला में आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यहां के मुख्य चिकित्साधिकारी डा. नीरज त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया है कि आशा सम्मेलन में अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह मुख्य अतिथि एवं शहर विधायक श्रीमती मुक्ता संजीव राजा विशिष्ठ अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगी।

रिमोट सेंसिंग कार्यशाला 23 को कलैक्ट्रेट में

अलीगढ़ (सू0वि0): जिला अर्थ संख्या अधिकारी ए0के0 दीक्षित ने बताया है कि शनिवार 23 अगस्त को 12.30 बजे जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेन्टर द्वारा कलैक्ट्रेट सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों द्वारा जीआईएस तकनीक का उपयोग करके जिले में तैयार किये गये डिजिटल डेटाबेस का प्रस्तुतीकरण किया जायेगा। उन्होंने सभी सबंधित अधिकारियों से आग्रह किया है कि वर्कशॉप में प्रतिभाग कर तकनीक के बारे में जानकारी हासिल करें।

आशा सम्मेलन कृष्णांजलि में 23 अगस्त को 10 बजे से

अलीगढ़ 22 अगस्त 2025 (सू0वि0): जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा 23 अगस्त को प्रातः 10 बजे से कृष्णांजलि नाट्यशाला में आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 नीरज त्यागी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि आशा सम्मेलन में मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह मुख्य अतिथि एवं मा0 शहर विधायक श्रीमती मुक्ता संजीव राजा विशिष्ठ अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगी।

अवैध स्मैक सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना देवबन्द, सहारनपुर पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले दो शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार कर कब्जे से 32 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है। एसएसपी के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी देवबन्द के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना देवबन्द पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले 02 नशा तस्कर मौ0 अकवर उर्फ शहनशाह पुत्र नजरी अहमद निवासी मौहल्ला कुरैशी छतरी वाला बाग थाना कोतवाली नगर जिला अमरोहा व अनस पुत्र नसीम उर्फ कूडा निवासी मौ0 पठानपुरा लाम थाना देवबन्द जनपद सहारनपुर को अम्बेहटा तिराहे के पास रेलवे पुल के पास से गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्तगण के कब्जे से कुल 32 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गयी। पुलिस टीम में एसआई राकेश पंवार, उपेन्द्र राणा, अमित नागर, एचसी कमेलश यादव, रवि तोमर, आरक्षी तरूण कुमार, गौरव दांगी शामिल रहे।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों द्वारा गया - दिल्ली जंक्शन अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

सुबेदारगंज स्टेशन पर ठहराव का माननीय विधायक/प्रयागराज पश्चिम, श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह एवं माननीय विधायक, फूलपुर श्री दीपक पटेल ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारम्भ

सूबेदारगंज स्टेशन पर स्थानीय कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने वीडिओ कांफ्रेंस के माध्यम से 2 नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन, गया-दिल्ली जंक्शन एवं वैशाली-गया-कोडरमा बौद्ध सर्किट ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रयागराज के सूबेदारगंज स्टेशन पर आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में मुख्य अथिति माननीय विधायक/प्रयागराज पश्चिम, श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह एवं माननीय विधायक, फूलपुर श्री दीपक पटेल ने गया-दिल्ली जंक्शन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मण्डल रेल प्रबंधक/ प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल ने मंच पर उपस्थित गणमान्य अथितियों का प्लांटर एवं शाल देकर स्वागत किया। इस अवसर पर माननीय विधायक/प्रयागराज पश्चिम, श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह एवं माननीय विधायक, फूलपुर श्री दीपक पटेल, मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मंडल श्री रजनीश अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री हिमाशु शुक्ला, प्रतिनिधि विधान परिषद् सदस्य श्री बाबू लाल तिवारी सहित अधिकारीगण, गणमान्य जनप्रतिनिधि, और आपार जनसमूह उपस्थित रहो इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुये कर्यक्रम के मुख्य अथिति माननीय विधायक/प्रयागराज पश्चिम, श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद किया और माननीय रेलमंत्री श्री अश्वनी वैष्णव जी का भी आभार व्यक्त किया कि आम जनता की अपेक्षाओं की ट्रेन अमृत भारत ट्रेन का उनके क्षेत्र में पड़ने वाले सुबेदारगंज स्टेशन पर ठहराव किया गया है उन्होंने कहा कि प्रयागराज स्टेशन का बहुत बड़ा इतिहास है उन्होंने आगे बताया कि प्रयागराज संगम नगरी में रेलवे का भी संगम है प्रयागराज ज. उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम को जोड़ता है, यंहा से हर दिशाओं में यात्रा करने के लिए ट्रेनें मिलती है उन्होंने कहा कि अमृत भारत ट्रेनें आम जन की ट्रेन है अमृत भारत ट्रेनों में सुखद एवं आरामदायक यात्रा के लिए सुविधाएं प्रदान की गई हैं

डॉ. आर ए तिवारी फाउंडेशन द्वारा विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर सात विभूतियों का सम्मान

भारत संवाद /आदेश मिश्र

मुंबई , डॉ. आर. ए. तिवारी फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर 21 अगस्त को दहिसर पूर्व के भारतीय सद्विचार मंच समाज कल्याण केंद्र सभागृह में आयोजित एक भव्य समारोह में 75 वर्ष से अधिक उम्र के सात विभूतियों का सम्मान किया गया। सम्मानित किए गए लोगों में राहुल एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन शिक्षा सम्राट लल्लन तिवारी, पूर्व प्रधानाचार्य पीएन द्विवेदी, समाजसेवी तथा धर्मनिष्ट करुणाशंकर ओझा, सुप्रसिद्ध टेक्नोक्रेट दिनेशचंद्र उपाध्याय, वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट सत्यव्रत उपाध्याय, रिटायर्ड आईटीएस अमरनाथ पांडे तथा राघवेंद्र सेवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य पंडित रमाशंकर शुक्ल का समावेश रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ आर ए तिवारी फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. राधेश्याम तिवारी ने की। संस्था के ट्रस्टी तथा मंत्री डॉ. शिवश्याम तिवारी ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर शिक्षाविद् डॉ.हृदयनारायण मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार अभय मिश्रा , अग्निशिला के संपादक, आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली , वरिष्ठ समाजसेवी श्रीकांत पांडे , वरिष्ठ समाजसेवी इंद्रमणि दुबे तथा मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह सम्मानित अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समन्वय संकल्प के अध्यक्ष अनिरुद्ध पांडे तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया। संस्था के ट्रस्टी तथा कोषाध्यक्ष डॉ संदीप तिवारी और ट्रस्टी मानवेंद्र तिवारी ने सभी अतिथियों का सम्मान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह, डॉ.इंदुप्रकाश तिवारी श्रीगौरीशंकर ग्राम सेवा मंडल के महामंत्री सुभाषचंद्र उपाध्याय, उद्योगपति ब्रह्मदेव सिंह, समाजसेवी प्रेमचंद तिवारी (बाबा), समाजसेवी सूर्यकांत उपाध्याय ,वरिष्ठ पत्रकार सुरेश मिश्रा, सूर्यप्रकाश (संतोष) मिश्रा,वरिष्ठ कवि हृदयेश मयंक, मानव धर्माचरण समिति के अध्यक्ष श्रीनिवासानंद महाराज (पूर्व में विद्रोही महाराज), रविंद्रनाथ दुबे, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, परशुराम सेना के राष्ट्रीय संरक्षक अरविंद उपाध्याय, समाजसेवी विद्याशंक चतुवेर्दी,राघवेंद्र सेवा मंच के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा, समाजसेवी , डॉ. अमरीश दुबे, उद्योगपति नलिन भाई उपाध्यक्ष ,हिंदी दैनिक प्रातः काल के संपादक अरुण उपाध्याय, प्रवासी संदेश के संपादक राजेश उपाध्याय, ?ड.एस.एस.शुक्ला, भारतीय सदविचार मंच के पदाधिकारी पं कमलाशंकर मिश्रा, बैजनाथ मिश्रा, महेंद्रकुमार मिश्रा,मनोज चतुवेर्दी, नागेंद्र मिश्रा, गणेशप्रसाद पाण्डेय,राजीव मिश्रा, रत्नेश दुबे, रामप्रकाश तिवारी,बी.पी.मिश्रा,राकेश दुबे ,कमलाकांत त्रिपाठी आदि का समावेश रहा।

मंझनपुर में अतिक्रमण हटाने के दौरान बवाल, नगर पालिका कर्मचारियों पर हमला

भारत संवाद

मंझनपुर (कौशांबी), 22 अगस्त 2025: जिला अधिकारी मधुसूदन हुलगी के आदेश पर मंझनपुर नगर पालिका परिषद द्वारा पिछले तीन दिनों से चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान शुक्रवार को बड़ा बवाल हो गया। अभियान के तहत नगर पालिका के कर्मचारी गोपाल, रोहित गौतम और जावेद जब मंझनपुर चौराहे पर अतिक्रमण हटाने पहुंचे तो कुछ दुकानदारों ने विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि एक दर्जन से अधिक लोगों ने कर्मचारियों पर हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट की। हमलावरों ने कथित तौर पर दलित समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी भी की, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। मारपीट में नगर पालिका के तीनों कर्मचारी घायल हो गए। देखते ही देखते चौराहे पर भीड़ जमा हो गई और हंगामा शुरू हो गया। सूचना मिलते ही नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हंगामा कर रहे एक दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। नगर पालिका की ओर से इस मामले में लिखित तहरीर दी गई है, जिसके आधार पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। इस घटना से सफाई कर्मचारियों और नगर पालिका कर्मियों में भारी आक्रोश है। कर्मचारियों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने के दौरान इस तरह की हिंसा अस्वीकार्य है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर चर्चा जोरों पर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए चौराहे पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का हुआ आगाज, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

भारत संवाद

सहारनपुर - उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त सहारनपुर टेबल टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में तीन दिवसीय जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आगाज हो गया। प्रतियोगिता मे खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। सहारनपुर टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव अलंकार किशोर ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, सहारनपुर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ सहारनपुर टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष व पूर्व राज्य मंत्री संजय गर्ग, क्रीडाधिकारी राहुल चोपड़ा, सचिव अलंकार किशोर के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सचिव अलंकार किशोर ने बताया की -11 बॉयज मे विजेता इवान वाधवा एवं उप विजेता आहिल अली, -13 बॉयज मे विजेता सोहम ग्रोवर, उप विजेता सक्षम त्यागी, -13 गर्ल्स मे विजेता आरना दुआ, उप विजेता आरवी चैधरी, -15 बॉयज मे विजेता जीतामन सिंह, उप विजेता अर्चित माहेश्वरी, -15 गर्ल्स मे विजेता डिंपल, उप विजेता साक्षी, -17 गर्ल्स मे विजेता सलोनी, उप विजेता अन्वेषा रही।

स्कूल वाहनों पर सख्ती, 42 चालान, 2.55 लाख जुर्माना, 4 वाहन सीज

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शुक्रवार को यातायात पुलिस व परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने स्कूल वाहनों और नाबालिग चालकों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक यातायात व एआरटीओ (प्रवर्तन) के पर्यवेक्षण में हुई कार्रवाई में क्षमता से अधिक बच्चों को लेकर चल रहे ऑटो व ई-रिक्शा सहित नियम उल्लंघन पर सख्ती बरती गई। अभियान में कुल 42 चालान काटकर ध्2.55 लाख जुमार्ना वसूला गया, साथ ही 4 वाहन सीज किए गए। वाहन मालिकों व अभिभावकों के खिलाफ भी अभियोग दर्ज किया जा रहा है। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि नाबालिग वाहन चलाते पाए जाने पर अभिभावकों पर ध्25,000 जुमार्ना, तीन साल तक की सजा और वाहन का 12 माह तक पंजीकरण निरस्त करने की कार्रवाई होगी। साथ ही संबंधित बच्चे को 25 वर्ष की आयु तक ड्राइविंग लाइसेंस से वंचित रखा जाएगा। अधिकारियों ने अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों को वाहन न चलाने दें और क्षमता से अधिक बच्चों को लेकर चलने वाले वाहनों से बचें, ताकि सड़क हादसों से सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

साइबर फ्रॉड की रकम वापिस खाते में डलवायी

सहारनपुर। साइबर फ्रॉड से ठगी गयी रकम को थाना कुतुबशेर पुलिस ने वापिस पीड़ित के खाते में धनराशि वापस करायी। 27 जुलाई 2025 को वादिया कुमारी समरीन पुत्री साजिद निवासी मानकमऊ थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर के खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन फ्रॉड करके 36,000 रुपये निकाल लेने के सम्बन्ध में थाना कुतुबशेर साइबर हेल्प डेस्क पर शिकायत संख्या 23107250109394 दर्ज करायी थी। एसएसपी के निर्देशन में साइबर अपराध की रोकथाम व फ्रॉड में ठगी गयी धनराशि पीडितों के खाते में वापस कराये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक श्री एच0एन0 सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कुतुबशेर साइबर हेल्प डैस्क टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुये

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: MECH-OnF-WB-CAMC-CAR-25 दिनाँक: 21.08.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक अभियंता (ओ.&एफ.)/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए एकल निविदा निर्धारित प्रपत्र में डिजिटल वेइंग सिस्टम प्राइवेट के OEM/अधिकृत डीलर से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण इस प्रकार है:-

निविदा सूचना सं.: MECH-OnF-WB-CAMC-CAR-25	
कार्य का नाम: Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) of Pit Less Electronic in-motion Weighbridge, capacity 140 MT located at Chunar of Prayagraj Division for a period of 04 years.	
कार्य का अनुमानित लागत (रु. में) जीएसटी सहित: 1722800.00	
धरोहर राशि (रु. में): 0.00	**निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में):** 0.00
कार्य की अवधि: 04 वर्ष	**निविदा खुलने की दिनांक:** 18.09.2025, 15:30 बजे

नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक **18.09.2025** को **15:00 बजे** तक वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी। निविदाकर्ताओं को अपनी ई-टेंडर केवल इसी वेबसाइट पर जमा करनी होगी। **2.** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडर्स को चाहिए कि वे अपने आपको **आईटी एक्ट-2000** के अन्तर्गत **सीसीए** द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा डिजिटल हस्ताक्षरित होने चाहिए। **5.** निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। **6.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **7.** माल और जीएसटी सेवाओं के आपूर्तिकर्ता को समय-समय पर लागू जीएसटी अधिनियम और नियमों के अधीन लिया जाएगा। (रेलवे बोर्ड पत्र सं.- 2016/AC-II/1/6 दिनांक- 12 मई 2017 के अनुसार)। **1509/25 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

जनपद में 16 अक्टूबर से धारा 163 लागू होगी: जिला मजिस्ट्रेज्ट

भारत संवाद

सहारनपुर। जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने कहा कि निकट भविष्य में सम्पन्न होने वाले त्यौहार मेला गुघाल, ईद-ए-मिलाद, अनन्त चतुर्दशी, विश्वकर्मा पूजा, महाराजा अग्रसैन जयन्ती, दशहरा महानवमी, गांधी जयन्ती, मेला शाकुम्भरी देवी, बाल्मीकि जयन्ती, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज, छठ पूजा व अन्य विभिन्न आयोजनों के अवसर पर तथा विभिन्न विभागों द्वारा समय-समय पर आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं एवं चयन व प्रवेश परीक्षाओं के दृष्टिगत औद्योगिक संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों व शिक्षण संस्थानों और रेलवे स्टेशन आदि पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अप्रिय घटनायें घटित की जाने की साजिश की जा सकती है तथा कुछ तत्व/लोग जानबूझकर ऐसे कृत्य कर सकते है जिससे लोक परिशांति भंग होने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इन सबको दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए लोक व्यवस्था कायम रखने हेतु तथा प्रजा तांत्रिक मूल्यों के रक्षण हेतु जनपद में निषेधात्मक आज्ञा लागू की है।

मनीष बंसल ने इस आश्य के आदेश जारी करते हुए कहा है कि किसी भी सार्वजनिक स्थल पर 4 या 4 से अधिक व्यक्ति बिना सक्षम अधिकारी के आदेश के धरना जुलूस प्रदर्शन आदि के लिए एकत्रित नही होंगे और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेंगे। वर्तमान में आयोजित परीक्षाओं के दृष्टिगत कार्यक्रमों में संयोजक डीजे का प्रयोग नियत समय सीमा के पश्चात किसी भी दशा में नहीं करेंगे तथा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा ध्वनि प्रदूषण के संबंध में प्रसारित गाईड लाईन के अनुरूप ही डीजे का प्रयोग करेंगे। कोई भी जाति विशेष का व्यक्ति एवं व्यक्तियों का समूह अपने नगर, गांव, मौहल्ले व अन्य स्थानों पर जाकर कोई भी ऐसा कार्य नही करेगा जिससे जातीय हिंसा व अन्य विवाद उत्पन्न होने की सम्भावना हो। जनपद में किसी भी गांव अथवा मौहल्ले मे ऐसे व्यक्ति को प्रवेश नही दिया जायेगा, जिसके जाने से उस क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न होने की सम्भावना हो। ऐसे तत्वों जिनके भ्रमण आदि कार्यक्रमों से साम्प्रदायिक सदभाव, समरसता एवं लोक परिशांति पर कुप्रभाव पडता हो, को प्रतिबंधित किया जाता है। विभिन्न कार्यक्रमों के संयोजक/आयोजक डीजे का प्रयोग नियत समय सीमा के पश्चात किसी भी दशा में नहीं करेंगे तथा मा0 उच्च न्यायालय द्वारा ध्वनि प्रदूषण के संबंध में प्रसारित गाईड लाईन के अनुरूप ही डीजे का प्रयोग करेंगे।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

तकनीक और इनोवेशन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन

बीटेक ईसीई

टेक और डिजिटल के बदलते युग में जॉब मार्केट में प्रोफेशनल्स की डिमांड भी बदलती जा रही है. आईटी सेक्टर के साथ-साथ लगभग सभी क्षेत्र में इंलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियर्स को अच्छे खासे पैकेज पर हायर किया जा रहा है. यही वजह है कि कॉलेज प्लेसमेंट सेशन में भी बीटेक ईसीई डिग्री वालों का प्लेसमेंट पैकेज सबसे तगड़ा मिलने लगा है. बीटेक इंलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग कोर्स आज के टेक और डिजिटल युग में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. बदलते जॉब मार्केट में कंपनियों को ऐसे प्रोफेशनल्स की जरूरत है जो इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी को अच्छे से समझते हों. आईटी सेक्टर से लेकर ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम और हेल्थकेयर तक में ईसीई इंजीनियर्स की डिमांड बढ़ी है. यही कारण है कि कॉलेज प्लेसमेंट के दौरान बीटेक ईसीई स्टूडेंट्स को हाई सैलरी पैकेज मिल रहे हैं. तकनीकी ज्ञान और मल्टी-डोमेन स्किल्स के चलते ये ग्रेजुएट्स इंडस्ट्री के लिए वैल्यूएबल एसेट बन चुके हैं.

बीटेक ईसीई कोर्स क्या है?

बीटेक ईसीई का पूरा नाम बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग है, जो चार वर्षीय ग्रेजुएशन लेवल का प्रोग्राम है. बीटेक ईसीई छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और डिवाइस कम्युनिकेशन, डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के बारे में डिटेल जानकारी दी जाती है. इंलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डेटा और सिग्नल को अलग-अलग माध्यमों से भेजने की तकनीक सीखी जाती है. यह कोर्स इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग दोनों का मेल है, जो हार्डवेयर और नेटवर्किंग में स्किल देता है. यह फील्ड 5जी, सैटेलाइट, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई तकनीकों में करियर के अच्छे मौके देती है.

नौकरी पाने के मौके

बीटेक ईसीई में इलेक्ट्रॉनिक्स का परिचय, सिग्नल और सिस्टम, एनालॉग संचार, नेटवर्क सिस्टम, माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर, नियंत्रण प्रणाली आदि जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं. ये कोर्स टेक्नोलॉजी की नॉलेज देता है. इस कोर्स के बाद करियर के बहुते सारे ऑप्शन होते है जैसे की आप इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग बन सकते है.

कौन कर सकता है ये कोर्स?

बीटेक ईसीई में एडमिशन लेने के लिए छात्र को 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है. 12वीं में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथ्स विषय होना अनिवार्य है. छात्रों को 12वीं में कम से कम 50% से 60% अंक लाने होते हैं. अलग-अलग कॉलेजों में अंकों की जरूरत थोड़ी अलग हो सकती है. आरक्षित वर्ग को कुछ छूट मिल सकती है.

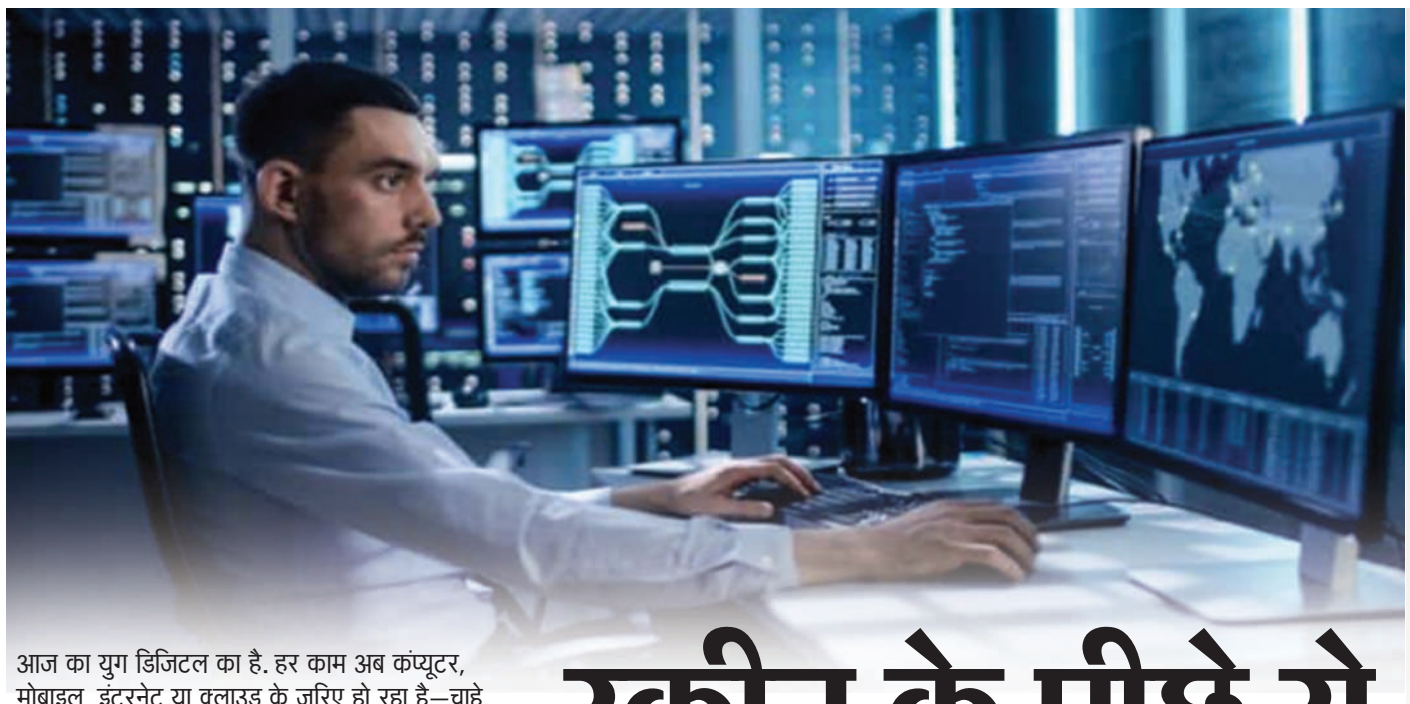

स्क्रीन के पीछे से अपराध पकड़ते हैं डेटा के जासूस

आज का युग डिजिटल का है. हर काम अब कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट या क्लाउड के जरिए हो रहा है—चाहे बैंकिंग हो, ऑफिस वर्क, पढ़ाई या सोशल मीडिया. लेकिन जिस तेजी से डिजिटल तकनीक ने जिंदगी आसान की है, उतनी ही तेजी से बढ़े हैं डिजिटल अपराध. हैकिंग, डेटा चोरी, ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर बुलिंग जैसे मामलों की बाढ़ आ गई है. ऐसे में इन अपराधों की तह तक जाने और सच्चाई सामने लाने का काम करते हैं—डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स. इन्हें अक्सर स्क्रीन के पीछे का जासूस या डिजिटल डेटा डिटेक्टिव भी कहा जाता है. इनकी पहचान न तो वर्दी से होती है, न ही किसी हथियार से, बल्कि इनका सबसे बड़ा हथियार होता है - तकनीक की गहरी समझ और डिजिटल साक्ष्य जुटाने की कला.

डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट कौन होता है?

डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट वह प्रोफेशनल होता है जो कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड ड्राइव, ईमेल, सोशल मीडिया या क्लाउड जैसे डिजिटल स्रोतों से डिलीट या छिपाई गई जानकारी को रिकवर करता है और उसे कानूनी सबूत के रूप में पेश करता है.

अगर किसी ने ऑनलाइन बैंक फ्रॉड किया है, या किसी अपराधी ने मोबाइल से सबूत मिटाने की कोशिश की है, तो ऐसे मामलों में यह एक्सपर्ट उन मिटाए गए डेटा को फिर से खोज निकालता है. ये कोर्ट में पेश करने योग्य फॉरेंसिक रिपोर्ट तैयार करते हैं, ताकि अपराधी को सजा मिल सके.

क्या होता है इनका काम?

डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट का काम बेहद पेचीदा और संवेदनशील होता है. उन्हें हर बिट और बाइट को सबूत में बदलना होता है. इनके काम में शामिल होते हैं -

- डिलीट हुए डेटा, ईमेल या कॉल रिकॉर्ड को रिकवर करना
- वायरस या मैलवेयर के जरिए की गई छेड़छाड़ का पता लगाना
- कंप्यूटर या मोबाइल में छिपाई गई फाइलों को ट्रेस करना
- साइबर क्राइम, बैंक फ्रॉड, हैकिंग की जांच करना
- डिजिटल सबूतों की वैधानिक रिपोर्ट तैयार करना
- कोर्ट और लॉ एजेंसियों को केस में तकनीकी सपोर्ट देना
- इन एक्सपर्ट्स को कई बार सीबीआई, ईडी, क्राइम ब्रांच, या साइबर क्राइम सेल के साथ काम करने का मौका मिलता है. इसके अलावा कई बार निजी कंपनियां और बैंक भी इन्हें साइबर सुरक्षा के लिए हायर करते हैं.

क्या करें पढ़ाई?

डिजिटल फॉरेंसिक्स का प्रोफेशन बनने के लिए साइंस या टेक्नोलॉजी बैकग्राउंड जरूरी होता है, लेकिन अब लॉ और क्रिमिनोलॉजी के स्टूडेंट्स के लिए भी इसमें करियर की राह खुल चुकी है.

कहां मिलती है नौकरी?

जैसे-जैसे डिजिटल क्राइम बढ़ रहा है, वैसे-वैसे डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की मांग भी तेज़ी से बढ़ रही है। ये एक्सपर्ट्स विभिन्न क्षेत्रों में काम कर सकते हैं -

- **लॉ एजेंसियां** - CBI, ED, क्राइम ब्रांच, पुलिस साइबर सेल
- **ज्यूडिशियल सेक्टर** - कोर्ट केसों में डिजिटल सबूत जुटाने में सहयोग
- **कॉर्पोरेट सेक्टर**- साइबर सिक्योरिटी डिपार्टमेंट में
- **किंग और फिनटेक कंपनियां** - फ्रॉड डिटेक्शन टीम का हिस्सा
- **प्राइवेट फॉरेंसिक लैब्स** - स्वतंत्र जांच एजेंसियों के साथ
- **फ्रीलांस या कंसल्टेंट** - लॉ फर्म्स, स्टार्टअप्स, पत्रकारों के साथ सहयोग

क्या आप स्क्रीन के पीछे से सच उजागर करना चाहते हैं? डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनकर आप साइबर अपराधों का पर्दाफाश कर सकते हैं. यह वो प्रोफेशन है जहां तकनीक, सस्पेंस और न्याय साथ चलते हैं—एक ऐसा करियर जो हर दिन एक नई कहानी बनाता है.

भविष्य और स्कोप

डिजिटल फॉरेंसिक सिर्फ एक करियर नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे जरूरी विशेषज्ञता बनती जा रही है.

डिजिटलीकरण का विस्तार

हर सेक्टर डिजिटल हो रहा है—इसका मतलब अपराध भी डिजिटल हो रहे हैं.

डेटा प्राइवेसी कानून

भारत में नया डेटा संरक्षण कानून लागू होने से अब कंपनियों को प्रोफेशनल जांच सेवाओं की जरूरत पड़ रही है.

एआई और फॉरेंसिक्स का मेल

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब डिजिटल फॉरेंसिक की जांच को और तेज बना रहा है.

एक्सपर्ट्स की भारी कमी

देशभर में ट्रेन किए गए डिजिटल फॉरेंसिक प्रोफेशनल्स की मांग बहुत ज़्यादा है लेकिन सप्लाई कम है.

अपराध बदल रहे हैं जांच भी बदलनी होगी

जैसे-जैसे दुनिया स्क्रीन पर सिमट रही है, वैसे-वैसे अपराध भी टेक्नोलॉजी की आड़ में छिपते जा रहे हैं. लेकिन सच चाहे जितना भी गहरा छुपा हो, डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट उसे सामने लाने की ताकत रखते हैं. अगर आपको तकनीक, जांच और न्याय में रुचि है, तो यह फील्ड आपके लिए सुनहरा मौका हो सकता है.

वॉलंटियरिंग के मौके हाथ से न जाने दें

क्या आपने संकल्प लिया क्या यह कि आप देश व समाज के लिए कुछ करेंगे तो देर किस बात की देश में वॉलंटियर के रूप में काम करने के तमाम अवसर मौजूद हैं। खास बात यह कि वॉलंटियरिंग कर आप न केवल मानसिक संतोष अनुभव करेंगे, बल्कि यह काम आपके व्यक्तित्व को निखारकर करियर में भी आपको फायदा पहुंचाएगा। आजकल टीनएज से ही तमाम लोग पढ़ाई के साथ देश और समाज के लिए कुछ करने की चाहत रखते हैं। अनेक जागरूक टीनएजर विभिन्न संस्थाओं से जुड़कर या स्वयं प्रयास करके समाज को बदलने के लिए वॉलंटियर या स्वयंसेवक की भूमिका निभा रहे हैं। क्या आपकी भी इच्छा होता है कि देशसमाज के लिए कुछ करें, राष्ट्र निर्माण में अभी से अपना योगदान दें तो देर किस बात की आज ही कर दें शुरूआत।

देश में किशोरों व युवाओं को स्वयंसेवी कार्यों में लगाने वाली तमाम सरकारी, गैर सरकारी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हैं। इनमें से किसी के साथ जुड़कर आप वॉलंटियरिंग की दिशा में अपने कदम बढ़ा सकते हैं और समाज को बदलने में अपना योगदान दे सकते हैं। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो लोगों की बेहतरी के लिए बिना किसी वेतन के या फिर मामूली स्टाइपेंड पर काम करना चाहता है, उसे वॉलंटियर कहते हैं। इस तरह सामाजिक बदलाव के लिए काम करने से आपको मानसिक संतोष मिलता है। इससे आपके व्यक्तित्व का विकास तो होता ही है, आगे आपके करियर में भी फायदा मिलता है।

गरीबों की मदद

आपके शहर, कस्बे या गांव में ऐसे लोग होंगे, जिनके पास रहने के लिए कोई मकान नहीं है। वे फुटपाथ पर या अन्यत्र खुले में ही गुजारा करते हैं। आप ऐसे लोगों को नाश्ता, खाना, सर्दी के दिनों में गर्म कपड़े या कंबल बांटने वाली संस्थाओं के लिए काम कर सकते हैं। अगर आपके शहर में ऐसी कोई संस्था नहीं मिलती, तो आप खुद ही अपने कुछ दोस्तों और अभिभावकों के साथ मिलकर यह काम कर सकते हैं।

ट्रैफिक में सहयोग

आप अपने शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू तरीके से चलाने में या किसी बड़ी खेल प्रतियोगिता, मेले आदि के आयोजन के दौरान स्वयंसेवक के रूप में काम कर प्रशासन की मदद कर सकते हैं। इसके लिए आयोजकों या ट्रैफिक पुलिस विभाग से संपर्क करें। आप लोगों के बीच जाकर ट्रैफिक नियमों के पालन के बारे में जागरूकता अभियान भी चला सकते हैं। किसी प्राकृतिक आपदा के समय भी आप वॉलंटियर के रूप में सहयोग कर सकते हैं।

पर्यावरण की खातिर

पर्यावरण को लेकर आज किसी छोटे शहर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक चिंता व्याप्त है। आप अपने शहर, कस्बे के पर्यावरण को दुरुस्त रखने के लिए पौधे लगाने से लेकर प्रदूषण कम करने के तमाम प्रयासों में सहयोग कर सकते हैं।

अस्पतालों में सेवा

कई अस्पतालों, संस्थाओं को नेत्र शिविर या रक्तदान शिविर जैसे कई अभियानों के लिए स्वयंसेवक चाहिए होते हैं। इसी तरह कई अनाथालय, सीनियर सिटिजन सेंटर आदि को भी वॉलंटियर्स की जरूरत होती है। आप ऐसे मौकों पर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

ऑनलाइन वॉलंटियरिंग

कई सामाजिक संस्थाएं अपनी वेबसाइट, ब्लॉग, जर्नल आदि को चलाने और ऑनलाइन मार्केटिंग व कम्युनिकेशन के लिए वॉलंटियर्स की मदद लेती हैं। यदि आपके पास कम्प्यूटर और इंटरनेट है तथा आप थोड़ी टेक्निकल, डिजिटल जागरूकता रखते हैं, तो किसी संस्था को इन कार्यों में मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस तरह की समाज सेवा आप घर बैठे ही कर सकते हैं!

एनसीसी, स्काउट-गाइड

नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) देश सेवा व समाज सेवा के लिए एक बेहतरीन संगठन है। इसमें एक तरह की बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है। इस तरह एनसीसी युवाओं को सैन्य सेवाओं में शामिल होने के लिए भी प्रेरक वातावरण तैयार करता है। यही नहीं, कई सैन्य सेवाओं में एनसीसी प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को तरजीह भी दी जाती है। एनसीसी के कैडेटों को कई तरह के सामाजिक कार्यों में लगाया जाता है। इसी तरह भारत स्काउट एंड गाइड एक ऐसा संगठन है, जो स्कूली बच्चों के भौतिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास की दिशा में काम करता है। यह संगठन स्कूली बच्चों को कई तरह के सामाजिक कार्यों में भी लगाता है।

इजराइल ने गाजा सिटी को तबाह करने की धमकी दी

कहा- राफा शहर की तरह मलबे में बदल देंगे; जंग रोकने के लिए 5 शर्तें रखीं

एजेंसी

तेल अवीव, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शुक्रवार को गाजा सिटी को पूरी तरह तबाह करने की धमकी दी। काट्ज ने कहा, 'अगर हमास इजराइल की शर्तें नहीं मानेगा तो उसे अंजाम भुगतना होगा।' यह बयान ऐसे समय में आया जब एक दिन पहले काट्ज ने गाजा सिटी पर कब्जे के लिए सेना को अनुमति दी थी। काट्ज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- गाजा का हाल राफा और बैत हनून शहरों जैसा हो सकता है, जो मलबे में तब्दील चुके हैं। ठीक जैसा मैंने वादा किया था। दरअसल, इजराइल ने जंग खत्म करने के बदले सभी कैदियों की एक साथ रिहाई और हमास के पूरी तरह से हथियार डालने समेत 5 शर्तें रखी थी। हमास ने इजराइल की सभी शर्तों को मानने के बजाय 18 अगस्त को गाजा में सीजफायर और दो चरणों में इजराइली बंधकों की रिहाई के समझौते पर सहमति जताई थी। अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता के बाद यह प्रस्ताव अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने जून में पेश किया था। हमास के

जबाव पर काट्ज ने 20 अगस्त को गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना को मंजूरी दी। इसके लिए उन्होंने करीब 60 हजार एक्स्ट्रा सैनिकों (रिजर्व फोर्स) को ड्यूटी पर बुलाने का भी आदेश दिया। इजराइल ने गाजा सिटी पर कब्जे के लिए 1.30 लाख सैनिकों को मोर्चे पर तैनात करने का फैसला किया है। सैनिकों को ड्यूटी जॉइन करने से कम से कम 2 हफ्ते पहले नोटिस दिया जाएगा। पहली खेप में 2 सितंबर को करीब 40-50 हजार सैनिक बुलाए जाएंगे। दूसरी खेप नवंबर-दिसंबर में और तीसरी फरवरी-मार्च 2026 में बुलाई जाएगी। गाजा सिटी पर कब्जे के इस अभियान को गिदोनह्वस चेरिएट्स-बी नाम दिया गया है। इस दौरान पहले से ड्यूटी कर रहे हजारों रिजर्व सैनिकों की सेवा 30-40 दिन और बढ़ा दी जाएगी। इस कार्रवाई में 5 आर्मी डिवीजन शामिल रहेंगे। इसमें 12 ब्रिगेड-लेवल टीमें होंगी, जिनमें पैदल सेना, टैंक, तोपखाना, इंजीनियरिंग और सपोर्ट यूनिट शामिल होंगी। इसके अलावा गाजा डिवीजन की नॉर्थ और साउथ ब्रिगेड भी हिस्सा लेंगी। इजराइली सेना ने बताया है कि गाजा सिटी पर कब्जे की तैयारी शुरू हो चुकी है। अभी गाजा सिटी के बाहरी इलाकों में ऑपरेशन चल रहा है। जैतून इलाके में नहल और 7वीं आर्मर्ड ब्रिगेड ऑपरेशन चला रही है। वहीं एक दूसरे इलाके, जबालिया में गिवाती ब्रिगेड कफ्र ऑपरेशन को अंजाम दे रही है। यह अभियान कई स्टेप में चलेगा। सबसे पहले नागरिकों को गाजा सिटी खाली करने का नोटिस मिलेगा। इसके लिए अंतिम तारीख 7 अक्टूबर 2025 तय की गई है। इसके बाद सेना शहर को चारों तरफ से घेरकर अंदर बढ़ेगी। इजराइल ने गाजा सिटी से लगभग 10 लाख लोगों को साउथ गाजा भेजने का प्लान बनाया है। इसके लिए राहत केंद्र, टेंट और फील्ड अस्पताल तैयार किए जा रहे हैं। खान यूनिस में भी यूरोपियन अस्पताल फिर से शुरू किया जाएगा। इजराइल का मकसद गाजा सिटी में उन इलाकों में घुसना है, जहां हमास के कब्जे में अभी भी कई बंधक होने की आशंका है। ये वो इलाके हैं जहां अब तक इजराइली सेना ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की है। इजराइली सेना (आईडीएफ) के मुताबिक गाजा पट्टी के लगभग 75% हिस्से पर उसका नियंत्रण है। गाजा सिटी उस 25% इलाके में है, जो आईडीएफ के कब्जे में नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पिछले महीने चेतावनी दी थी कि गाजा में भुखमरी अब नियंत्रण से बाहर है।

हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया था कि जंग शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की संख्या 170 हो गई है, जिनमें 95 बच्चे हैं।

कोलंबिया में एयरबेस के पास ट्रक में ब्लास्ट

कोकीन की खेती नष्ट करने जा रहे पुलिस हेलिकॉप्टर पर भी ड्रोन हमला; अबतक 18 की मौत

एजेंसी

बोगोटा, कोलंबिया में गुरुवार को दो अलग-अलग हमलों में 18 लोगों की मौत हो गई। कोलंबिया के कैली शहर में गुरुवार को एयर बेस के पास एक ट्रक में बम विस्फोट हुआ। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 71 से ज्यादा लोग घायल हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये धमाका मार्को फिदेल सुआरेज सैन्य एविएशन स्कूल के पास हुआ। इससे कुछ घंटे पहले, कोकीन की फसलों को खत्म करने के लिए जा रहे पुलिसकर्मियों के हेलिकॉप्टर पर ड्रोन से हमला हुआ। जिसमें 12 पुलिस अधिकारी मारे गए

थे। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने कहा कि इन हमलों के पीछे विद्रोही संगठन एफएआरसी के गुटों का हाथ है। एफएआरसी का मकसद कोलंबियन सरकार को उखाड़ फेंकना है। हालांकि, 2016 में एक शांति समझौते के बाद ये संगठन भंग हो गया था, लेकिन कई इलाकों में ड्रग्स सप्लाई में ये अभी भी एक्टिव है। कैली के मेयर ने हमले की निंदा की और जिम्मेदार लोगों की जानकारी देने वालों को इनाम देने की घोषणा की। प्रत्यक्षदर्शी ने एएफपी न्यूज को बताया कि एयर बेस के पास किसी चीज के फटने की तेज आवाज आई। घटना के बाद आसपास के कई इमारतों और स्कूलों को खाली करा लिया गया है। साथ ही मेयर ने शहर में बड़े ट्रकों के एंट्री पर रोक लगाने की घोषणा की है। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने विस्फोट को 'आतंकवादी हमला' बताया और इसके लिए 'नार्को कार्टेल (ड्रग्स तस्करी करने वाला गिरोह) ग्रुप गल्फ क्लान' को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं, राष्ट्रपति और सैन्य नेतृत्व ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए आज एक विशेष बैठक बुलाई है। कोलंबिया में ड्रग्स की खेती, खासकर कोका की खेती होती है। कोलंबिया दुनिया का सबसे बड़ा कोकीन उत्पादक देश है, जो वैश्विक कोकीन आपूर्ति का लगभग 60-70% हिस्सा पैदा करता है। कोकीन का पौधा कोलंबिया के दूरदराज और गरीब इलाकों जैसे नारीनो, काउका, पुटुमायो, और कैकेटा में बड़े पैमाने पर उगाया जाता है। 2023 में, कोलंबिया में कोका की खेती 2.5 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गई, जो 2022 की तुलना में 10% अधिक है। कोलंबिया के ग्रामीण इलाकों में गरीबी, बुनियादी ढांचे की कमी और सरकारी उपस्थिति का अभाव कोका की खेती को बढ़ावा देता है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे गिरफ्तार

सरकारी पैसे के दुरुपयोग का आरोप, पत्नी के दीक्षांत समारोह में लंदन गए थे

एजेंसी

कोलंबो, श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को पुलिस ने सरकारी धन का दुरुपयोग करने के मामले में गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि 2023 में राष्ट्रपति रहते हुए वे अपनी पत्नी प्रोफेसर मैत्री विक्रमसिंघे के दीक्षांत समारोह शामिल होने लंदन गए थे। पुलिस का कहना है कि लंदन में उनकी कोई आधिकारिक यात्रा नहीं थी, फिर भी इसे सरकारी खर्चे पर किया गया। इस यात्रा में 10 लोगों का ग्रुप शामिल था और करीब 1.69 करोड़ रुपए खर्च किया गया। उस समय विक्रमसिंघे क्यूबा और अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर थे, जिसके बाद वे निजी यात्रा के लिए ब्रिटेन चले गए थे। इसके अलावा उन पर अपने पर्सनल बॉडीगार्ड को भी सरकारी खजाने से सैलरी देने का आरोप है। न्यूज एजेंसी एएफपी ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि विक्रमसिंघे आज सुबह वित्तीय अपराध जांच विभाग (एफसीआईडी) में इस मामले से जुड़ी पूछताछ के लिए पहुंचे थे। यहां 4 घंटे तक चली पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे श्रीलंकाई इतिहास में गिरफ्तार होने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्हें कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया

गया। विक्रमसिंघे ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि उनकी पत्नी ने अपना खर्च खुद उठाया और किसी भी सरकारी पैसे का दुरुपयोग नहीं किया गया। उनके ऑफिस ने इन खबरों को झूठा और भ्रामक बताया है। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने विक्रमसिंघे के खिलाफ पहले फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में सबूत पेश किए थे। इसमें उनकी पूर्व निजी सचिव सैंड्रा परेरा और पूर्व राष्ट्रपति सचिव समन एकनायके के बयान शामिल हैं। विक्रमसिंघे ने 1990 के दशक से लेकर अब तक छह बार अलग-अलग कार्यकाल में प्रधानमंत्री का पद संभाला है। इस दौरान उन्होंने 23 विदेश यात्राएं की हैं, जिसके लिए सरकारी खजाने से 2 मिलियन डॉलर (17.5 करोड़) रूपए खर्च हुए है। विक्रमसिंघे ने 2023 का क्यूबा का दौरा किया था। यहां से लौटते हुए वे लंदन रुके थे, जहां उन्होंने जी-77 शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। इसी दौरान वे और उनकी पत्नी मैत्री वॉल्वर हैम्प्टन यूनिवर्सिटी के एक समारोह में शामिल हुए थे। जुलाई 2022 में श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के खिलाफ महीनों तक चले विरोध प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद बचे कार्यकाल के लिए विक्रमसिंघे राष्ट्रपति बने थे। विक्रमसिंघे को 2022 में देश की अब तक की सबसे खराब वित्तीय मंदी के बाद अर्थव्यवस्था को स्थिर करने का श्रेय दिया जाता है। विक्रमसिंघे पिछले वर्ष सितम्बर में वामपंथी ए.के. दिसानायके से दूसरे दौर तक चले कड़े मुकाबले में चुनाव हार गए थे।

ट्रम्प के सलाहकार बोले-भारत रूसी तेल खरीद मुनाफाखोरी कर रहा

इंडियन कंपनी अमेरिकी पैसे से तेल खरीद ऊंचे दाम पर बेचती हैं, इसलिए टैरिफ जरूरी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो ने भारत पर रूस से तेल खरीदकर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। नवारो ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत सस्ते दाम पर रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है, इंडियन कंपनियां उसे रिफाइन कर महंगे दाम पर दुनिया में बेच रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे रूस को यूक्रेन जंग के लिए

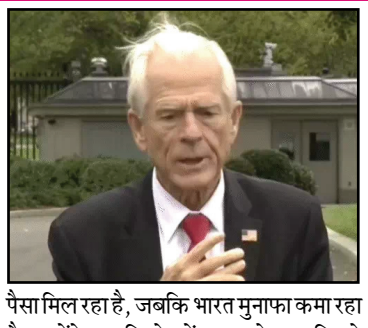

पैसा मिल रहा है, जबकि भारत मुनाफा कमा रहा है। उन्होंने कहा कि वे हमें सामान बेचकर मिलने वाले पैसे से रूसी तेल खरीदते हैं, जिससे तेल कंपनियां खूब पैसा कमाती हैं। इसलिए टैरिफ लगाना जरूरी है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि जंग की शांति का रास्ता भारत से होकर जाता है। नवारो ने कहा, ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, 27 अगस्त से लागू होगा।

इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25% टैरिफ लगा चुके हैं, जिससे आने वाले दिनों में भारतीय सामान के आयात पर अमेरिका में 50% टैरिफ देना होगा। मशहूर अर्थशास्त्री जेफ्री सैक्स ने अमेरिका के भारत पर भारी टैरिफ लगाने के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि यह फैसला अमेरिकी विदेश नीति के लिए नुकसान भरा है।

इससे पहले अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका-भारत रिश्तों में आई गिरावट को नहीं रोका गया तो यह रणनीतिक गलती होगी।

नीतीश की राजनीति का पिंडदान करने आ रहे हैं...पीएम मोदी के गयाजी दौरे पर लालू यादव का तंज

एजेंसी

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे से पहले उन पर तंज कसते हुए कहा कि वह (प्रधानमंत्री) राज्य में नीतीश कुमार की राजनीति का पिंडदान करेंगे। पर एक वीडियो शेयर करते हुए, कथित वोट चोरी के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए, राजद प्रमुख ने लिखा, प्रधानमंत्री मोदी जी आज नीतीश कुमार की राजनीति और उनकी पार्टी का पिंडदान (मृत्यु के बाद का अनुष्ठान) करने गया आ रहे हैं।वीडियो में पिंडदान वाले अपने तंज के साथ, लालू प्रसाद यादव ने बिहार में कथित वोट चोरी, अपराध और बेरोजगारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब बिहार स्थित गयाजी को पवित्र माना जाता है और हिंदुओं में अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान करने के लिए यह स्थान लोकप्रिय है। प्रधानमंत्री मोदी गयाजी में लगभग 13,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे, वहीं जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि इस यात्रा का कोई लाभ नहीं है।किशोर ने कहा, ₹प्रधानमंत्री मोदी पिछले तीन-चार महीनों में तीन बार बिहार आ चुके

वीडियो में पिंडदान वाले अपने तंज के साथ, लालू प्रसाद यादव ने बिहार में कथित वोट चोरी, अपराध और बेरोजगारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब बिहार स्थित गयाजी को पवित्र माना जाता है और हिंदुओं में अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान करने के लिए यह स्थान लोकप्रिय है।

हैं। उनके हर दौरे पर बिहार की गरीब जनता के करोड़ों रुपये खर्च हुए... बिहार में बेरोजगारी कैसे खत्म होगी? बिहार से पलायन कब रुकेगा? बिहार के बच्चों को मजदूरी के लिए गुजरात कब नहीं जाना पड़ेगा? प्रधानमंत्री मोदी ने इन मुद्दों पर कुछ नहीं कहा है।₹ इस बीच, बिहार दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी दो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे और सभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गयाजी से बिहार के लिए 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरूआत की। मगध यूनिवर्सिटी के कैंपस में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- ढट मोदी ने कहा कि 'बिहार की धरती से लिया कोई संकल्प खाली नहीं जाता है। पहलगाम अटैक के बाद मैंने बिहार से संकल्प लिया था

'पाक सेनाध्यक्ष ने मानी सच्चाई, भारत मर्सिडीज, पाकिस्तान डंपर'

राजनाथ सिंह ने असीम मुनीर पर कसा तंज

राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा कि मैं आपका ध्यान पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा हाल ही में दिए गए बयान की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। उन्होंने कहा, भारत एक चमचमाती मर्सिडीज है जो फेरारी की तरह हाईवे पर आ रही है, लेकिन हम बजरी से भरे डंप ट्रक हैं। अगर ट्रक कार से टकरा जाए, तो नुकसान किसका होगा?

एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भारत की तुलना एक लग्जरी कार और अपने देश की तुलना एक डंप ट्रक से करने की विचित्र कोशिश का उपहास करते हुए कहा कि यह टिप्पणी अपने आप में पाकिस्तान की विफलता की स्वीकारोक्ति के अलावा और कुछ नहीं है। राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा कि मैं आपका ध्यान पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा हाल ही में दिए गए बयान की ओर

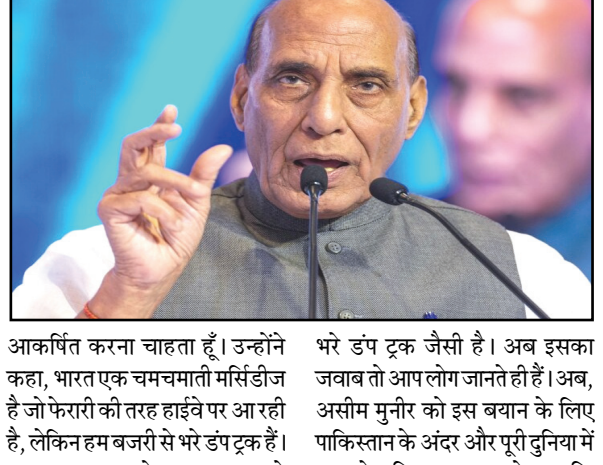

आकर्षित करना चाहता हूँ। उन्होंने कहा, भारत एक चमचमाती मर्सिडीज है जो फेरारी की तरह हाईवे पर आ रही है, लेकिन हम बजरी से भरे डंप ट्रक हैं। अगर ट्रक कार से टकरा जाए, तो नुकसान किसका होगा? राजनाथ ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था हाईवे पर दौड़ती मर्सिडीज और फेरारी जैसी है। उन्होंने कहा, मैं नहीं कह रहा। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था मलबे से भरे डंप ट्रक जैसी है। अब इसका जवाब तो आप लोग जानते ही हैं। अब, असीम मुनीर को इस बयान के लिए पाकिस्तान के अंदर और पूरी दुनिया में खूब ट्रोल किया गया। सबने कहा कि अगर दो देशों को एक ही समय में आजादी मिली और एक देश ने कड़ी मेहनत, सही नीतियों और दूरदर्शिता से फेरारी जैसी अर्थव्यवस्था खड़ी कर ली और दूसरा अभी भी डंपर की हालत में है, तो यह उनकी अपनी विफलता है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि मैं असीम मुनीर के इस बयान को एक स्वीकारोक्ति मानता हूँ। मैं उनके बयान को सिर्फ.ट्रोल करने लायक नहीं मानता। अगर हम इस गंभीर चेतावनी के पीछे छिपे ऐतिहासिक संकेत पर ध्यान नहीं देंगे, तो यह हमारे लिए चिंता का विषय बन सकता है। और हाँ, अगर हम इस पर ध्यान दें और इसके लिए तैयारी करें, तो भारत ऐसी चेतावनियों का करारा जवाब देने में सक्षम है। उनकी यह टिप्पणी इस महीने की शुरूआत में असीम मुनीर की टिप्पणियों के जवाब में आई है। मुनीर ने फ्लोरिडा में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, जिसे उन्होंने खुद एक अशिष्ट सादृश्य बताया था, कहा था। उन्होंने पूछा, भारत फेरारी की तरह हाईवे पर आ रही एक चमचमाती मर्सिडीज है, लेकिन हम बजरी से भरा एक डंप ट्रक हैं।

जगन रेड्डी के साक्षी टीवी पर मानहानि का मुकदमा, तिरुमाला मंदिर बोर्ड प्रमुख ने 10 करोड़ का मुआवजा मांगा

नायडू ने दावा किया कि वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के स्वामित्व वाले साक्षी टीवी और उसके समाचार पत्र ने 10 अगस्त और 14 अगस्त, 2025 को भगवान वेंकटेश्वर स्वामी और टीटीडी बोर्ड के लिए उनके काम को बदनाम करने के इरादे से दुर्भावनापूर्ण और तुच्छ रिपोर्ट प्रकाशित कीं।

एजेंसी

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के अध्यक्ष बोलिनेनी राजगोपाल नायडू (बीआर नायडू), जो टीवी5 तेलुगु समाचार चैनल के प्रमुख भी हैं। उन्होंने साक्षी टीवी और साक्षी समाचार पत्र को कानूनी नोटिस भेजकर अपमानजनक रिपोर्टिंग का आरोप लगाया है और 10 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है। नायडू ने दावा किया कि वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के स्वामित्व वाले

साक्षी टीवी और उसके समाचार पत्र ने 10 अगस्त और 14 अगस्त, 2025 को भगवान वेंकटेश्वर स्वामी और टीटीडी बोर्ड के लिए उनके काम को बदनाम करने के इरादे से दुर्भावनापूर्ण और तुच्छ रिपोर्ट प्रकाशित कीं। उन्होंने इस कवरेज को टीवी5 में उनकी भूमिका के कारण उनके खिलाफ एक बड़ी साजिश का हिस्सा बताया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि टीवी5 निष्पक्ष, निष्पक्ष समाचार प्रदान करता है

व्यवस्था को खोखला करने की इजाजत नहीं मिलेगी

जम्मू-कश्मीर ने आतंकी कनेक्शन वाले 2 सरकारी कर्मचारियों को किया बर्खास्त

जम्मू-कश्मीर चूंकि लंबे समय से आतंकी हिंसा से प्रभावित रहा है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील पदों पर बैठे लोग सुरक्षा तंत्र को कमजोर न करें। देखा जाये तो सरकारी नौकरी करदाताओं के पैसे से मिलती है।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज दो सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दीं। आरोप है कि इनकी संलिप्तता आतंकवादी गतिविधियों या उनके समर्थन से जुड़ी हुई थी। हम आपको बता दें कि यह कोई पहला मामला नहीं है, हाल के वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने कई ऐसे कर्मचारियों को बर्खास्त किया है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवादियों के लिए सहानुभूति दिखाते रहे हैं।देखा जाये तो आतंकवाद का एक बड़ा खतरा यह है कि उसका नेटवर्क केवल जंगलों या सीमावर्ती इलाकों तक सीमित नहीं

रहता, बल्कि प्रशासन और व्यवस्था तक भी पहुँचने की कोशिश करता है। सरकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई यह संदेश देती है कि प्रशासनिक ढांचे में दोहरी भूमिका निभाने वालों के लिए कोई जगह नहीं है।इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर चूंकि लंबे समय से आतंकी हिंसा से प्रभावित रहा है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील पदों पर बैठे लोग सुरक्षा तंत्र को कमजोर न करें। देखा जाये तो सरकारी नौकरी करदाताओं के पैसे से मिलती है। यदि कोई व्यक्ति आतंकवाद या अलगाववाद को समर्थन देता है, तो उसका वेतन उसी व्यवस्था से जाता है जिसे वह कमजोर कर रहा है। यह व्यवस्था के साथ धोखा है। बर्खास्तगी इसी विरोधाभास को समाप्त करने की कोशिश है।दूसरी ओर, आलोचकों का कहना है कि केवल कथित संलिप्तता के आधार पर सेवा समाप्त करना उचित प्रक्रिया के खिलाफ है। ऐसे मामलों में पारदर्शिता और सबूत की मजबूती अनिवार्य है, वरना यह निर्णय अदालत में चुनौती झेल सकता है। लेकिन अगर व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन आतंकवाद मुक्त कश्मीर की दिशा में कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। हाल के वर्षों में न केवल आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन बढ़े हैं, बल्कि उनके आर्थिक और संस्थागत समर्थन काटने की रणनीति भी अपनाई गई है।